प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

मथुरा से प्रकाशित

होली की शुभकामनाएं

यूनिकॉम एडवरटाइजिंग

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28

Sweety BY MR GROUP
Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-7 | मथुरा, मंगलवार, 3 मार्च 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | twitter.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी
डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28
यूनिक समय
मथुरा से प्रकाशित
होली की शुभकामनाएं
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com
वर्ष-4 | अंक-7 | मथुरा, मंगलवार, 3 मार्च 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay

ब्रज की गलियों में कल बरसेगा अबीर-गुलाल

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज की प्रसिद्ध हुड़दंग होली कल पूरे उत्साह और परंपरागत ढंग से खेली जाएगी। इस होली को लेकर ब्रजवासियों में खासा उत्साह दिखाई दे रहा है। ब्रजवासी कई दिन पहले से ही रसियों पर झूमते है। ब्रज की होली देश ही नहीं, विदेशों में भी प्रसिद्ध है। हर वर्ष लाखों लोग यहां की अनोखी होली का आनंद लेने आते हैं। कान्हा की नगरी का हुड़दंग होली का अलग ही रंग देखने को मिलता है। परंपरा के अनुसार लोग एक-दूसरे पर गुलाल लगाते और उड़ाते हैं। ढोल-नगाड़ों और भक्ति गीतों के बीच पूरा क्षेत्र रंगों से सराबोर हो जाता है। श्रद्धालु सुबह मंदिरों में दर्शन कर उत्सव की शुरुआत करते हैं। इसके बाद मंदिरों और गलियों में रंग खेलने का सिलसिला शुरू होता है। हर ओर खुशी और उत्साह का माहौल अलग ही दिखाई देता है। ब्रज की होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि आस्था और परंपरा का प्रतीक भी है। लोग रंग, गुलाल के साथ धूल, मिट्टी और कीचड़ से भी खेलते है। बाजारों में भी रौनक बढ़ गई है। गुलाल, पिचकारी और अन्य होली सामग्री की बिक्री तेज हो गई है। कल होने वाली हुड़दंग होली को लेकर पूरा ब्रज क्षेत्र उत्सव के रंग में रंगा हुआ है। श्रद्धालु उत्साह के साथ इस इस पर्व का इंतजार कर रहे हैं।

चंद्रग्रहण के सूतक का प्रभाव, गलियों और बाजारों में पसरा सन्नाटा

चंद्रग्रहण के साये में थमी चहल-पहल

वृन्दावन की गलियों में चंद्र ग्रहण के चलते आज सन्नाटा, पसरे सन्नाटे का नजारा।

होली गेट के बाहर बाजार बंद का नजारा।

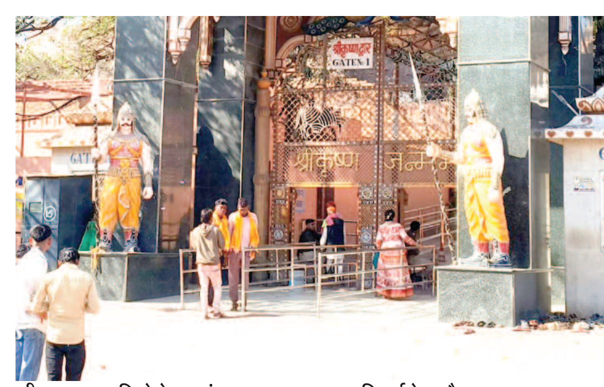

श्री कृष्ण जन्मभूमि के गेट पर चंद्र ग्रहण का असर साफ दिखाई दे रहा है।

चंद्रग्रहण और होली के असर से मंगल बाजार पड़ा फीका

प्रमुख संवादादाता

यूनिक समय, मथुरा। चंद्रग्रहण का असर बाजारों में साफ दिखाई दिया। हालांकि आज मंगलवार होने के कारण साप्ताहिक अवकाश भी था, लेकिन हर सप्ताह में कुछ न कुछ प्रतिष्ठान खुले दिखाई पड़ते हैं, पर आज चंद्रग्रहण के सूतक के कारण कई व्यापारियों ने प्रतिष्ठान भी बंद रखे। होली गेट के व्यस्ततम बाजारों में कई दुकान बंद दिखाई दी तो श्रीकृष्ण जन्म स्थान क्षेत्र के आसपास भी श्रद्धालुओं की कमी देखी गई तो बाजारों में सन्नाटा पसरा दिखाई दिया। शहर के कृष्णा नगर, महोली रोड, जनरल गंज, सदर बाजार समेत अन्य बाजारों में अनेक प्रतिष्ठान बंद दिखाई दिए। इससे पहले चंद्रग्रहण के सूतक काल में मंदिर के पट बंद रहने की वजह से हमेशा गुलजार रहने वाली वृन्दावन की गलियों में पूरी तरह सन्नाटा पसरा रहा।

चंद्र ग्रहण और होली का असर शहर के विकास बाजार और अन्य जगहों पर लगने वाले गरीबों के मंगल बाजार पर असर साफ दिखाई दिया। हर सप्ताह लगने वाला यह बाजार आम दिनों में काफी रौनक से भरा रहता है, लेकिन इस बार बाजार पूरी तरह फीका नजर आया। दुकानदार ग्राहकों का इंतजार करते रहे, और दुकानें भी बहुत कम संख्या में लगी। ग्रहण के कारण लोगों ने खरीदारी से दूरी बनाई और कई परिवार त्योहार की तैयारियों में व्यस्त रहे। बाजार में कपड़े, जूते, घरेलू सामान और बच्चों के खिलौनों की दुकानें लगी तो सही लेकिन बहुत कम लगी। दुकानदारों ने बताया कि आज की बिक्री बहुत कम हुई है। ग्राहकों ने सूतक के कारण कम खरीदारी की है,और दुकानें भी नाम मात्र के लिए लगी हैं। रीना देवी ने कहा कि वह हर मंगलवार को बाजार आती हैं लेकिन आज ग्रहण के कारण देर से निकली।" पूजा देवी का कहना है कि सूतक के समय बहुत लोग समान नहीं खरीदते हैं। इसी वजह से बाजार में रौनक कम रही। कविता देवी ने कहा कि होली की वजह से पहले ही सामान खरीद लिया था। आज सिर्फ देखने आई थी, पर बाजार खाली-खाली लगा। ग्रहण और होली पर्व के कारण इस बार मंगल बाजार की रौनक फीकी रही।

चंद्रग्रहण समाप्त होते ही मंदिरों के पट खुले

दर्शन करने के लिए श्रद्धालु पहुंचे

यूनिक समय, मथुरा। चंद्रग्रहण खत्म होते ही मंदिरों के पट खुल गए। सभी मंदिरों में दर्शन करने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। ग्रहण और सूतक के दौरान लोगों ने गोवर्धन और वृंदावन की परिक्रमा लगाई। अनेक लोगों ने संकीर्तन किया। सुबह चंद्रग्रहण के सूतक लगने के साथ ही जिले के अधिकांश मंदिरों के पट बंद हो गए। अब सायं तक चंद्रग्रहण समाप्ति का इंतजार किया गया। जैसे ही सायं को चंद्रग्रहण समाप्त हुआ तो मंदिरों के आसपास चहल पहल शुरू हो गई। देखते ही देखते ही मंदिरों के पट खुल गए। फिर तो दर्शन करने वालों की भीड़ उमड़ पड़ी। श्रद्धालुओं ने भक्ति और आस्था के बीच दर्शन किये। शयन आरती के बाद श्रद्धालु घरों को लौटे। बाजार में रौनक दिखी।

जन्मभूमि से भूतेश्वर जाने वाले मार्ग पर सन्नाटा।

आस्था | गांव फालैन में चमत्कारिक होली के गवाह बने लोग

धधकती आग की लपटों से निकला संजू पंडा

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। कोसीकलां-शेरगढ़ मार्ग स्थित ग्राम फालैन में होलिका की धधकती आग की लपटों के बीच से निकलते संजू पंडा को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। भक्त प्रह्लाद और होलिका दहन की लीला जीवंत हुई तो जय-जयकार की गूंज से फालैन गुंजायमान हो उठा। शुभ मुहूर्त पर संजू पंडा होलिका के दहकते अंगारों के बीच सकुशल गुजर गए। इस अग्नि परीक्षा को देने के लिए गांव के संजू पंडा ने एक माह तक तप किया था। श्रद्धालु होलिका से संजू पंडा के बच निकलने के उस दुर्लभ चमत्कारिक क्षण को देखने को आतुर थे। मंदिर में तप पर बैठे संजू पंडा ने सुबह चार बजे अखंड ज्योति पर हाथ रखकर शीतलता महसूस की। हालांकि उस समय होलिका की लपटों के चारों ओर खड़े श्रद्धालुओं को काफी पीछे धकेल दिया लेकिन ज्यों ही संजू पंडा प्रह्लाद की माला को धारण कर निकले भक्त प्रहलाद के जयघोष से पूरा वातावरण गूंज उठा। प्रहलाद कुंड में स्नान के बाद चार बजकर 15 मिनट पर संजू पंडा ने धधकती होलिका की ओर दौड़ लगा दी। आग की लपटों के बीच जब संजू पंडा दिखाई दिया तो वहां सन्नाटा पसर गया।

संजू पंडा अंगारों पर चलते हुए सुरक्षित बाहर निकले, पूरा गांव भगवान श्रीकृष्ण और प्रहलाद के जयकारों से गूंज उठा। लोग इसे चमत्कार मान रहे थे। मेला आचार्य पंडित भगवान सहाय एवं ग्रामीणों ने उन्हें अपनी गोद में भर लिया। चारों तरफ जय-जयकार के साथ गुलाल उड़ना शुरू हो गया। पंडा ने मंदिर में पहुंच कर पूजा अर्चना की।

ग्राम फालैन में आज सुबह धधकती आग की लपटों के बीच से निकलता संजू पंडा।

चंद्रग्रहण का असर मंगलवार बाजार पर।

होली की सभी पाठकों, विज्ञापनदातों और शुभचिंतकों को शुभकामनाएं। 04 मार्च 2026 को अवकाश रहेगा। अगला अंक 05 मार्च 2026 को प्रकाशित होगा। -संपादक

चतुर्वेदी समाज का मथुरा में निकला होली का डोला

रंगन संग झूम्यो अनोखो होली डोला

डोला में शामिल चतुर्वेदी समाज के लोग।

चतुर्वेदी समाज डोला में छड़ी मार खेलती महिलाएं।

होली के डोले में रंगों से बचती विदेशी युवती।

चतुर्वेदी समाज के मथुरा में निकले डोला में शामिल पदाधिकारी।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। चतुर्वेदी समाज का पारंपरिक और भव्य 'होली डोला' आज पूरी भव्यता के साथ निकाला गया। श्री माथुर चतुर्वेद परिषद के महामंत्री राकेश तिवारी एडवोकेट ने बताया कि दोपहर दो बजे द्वारकाधीश मंदिर के नीचे से मेला का शुभारंभ हुआ। अखिल भारतीय तीर्थ पुरोहित महासभा के संरक्षक और परिषद के मुख्य संरक्षक महेश पाठक ने मेले का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा, "यह मेला अब अपनी अंतरराष्ट्रीय पहचान बना चुका है। उन्होंने देश-विदेश से आए तीर्थयात्रियों

निकली झांकियों ने लोगों का मन मोहा

रंग कम, सेल्फी ज्यादा लेते दिखे लोग

डोले के फोटो को कैमरे में कैद करते विदेशी।

और सैलानियों को होली की शुभकामनाएं देते हुए प्रेम और सौहार्द के साथ पर्व मनाने का संदेश दिया। महामंत्री राकेश तिवारी के अनुसार, इस डोले में लगभग 20 से 22 भव्य झांकियां शामिल थीं। मेले की शोभा बढ़ाने के लिए 6 डीजे और 8 ट्रैक्टर-ट्रॉलियां जिन पर राधा-कृष्ण की मनमोहक झांकियां सजी थीं। सुरक्षा और व्यवस्था की दृष्टि से पूरे मेले क्षेत्र को 4 सेक्टरों में बांटा गया था, जहाँ नियुक्त पदाधिकारी अपनी जिम्मेदारी पूरी निष्ठा से निभा रहे थे। डोला में परिषद के संरक्षक नवीन नागर, गिरधारी पाठक, उमाकांत चतुर्वेदी, उपाध्यक्ष शिवकुमार चतुर्वेदी, संजय चतुर्वेदी एल्पाइन, कोषाध्यक्ष कमल चतुर्वेदी, मंत्री नीरज चतुर्वेदी, संजय चतुर्वेदी, मनोज पाठक, अमित चतुर्वेदी, आशीष चतुर्वेदी छुल्ली, अमित पाठक, आशीष चतुर्वेदी डाणी वाले, अनुज पाठक, अनिल चतुर्वेदी (पमपम), आशीष चतुर्वेदी एडवोकेट, राजन पाठक, द्वारकेस तिवारी, योगेन्द्र चतुर्वेदी तथा गौरव चतुर्वेदी आदि शामिल थे। मुख्य डोले पर पनकी पीठाधीश्वर जितेंद्र दास महाराज श्रीजी पीठाधीश्वर मनीष बाबा आदि उपस्थित थे।

जयगुरुदेव आश्रम में होली सत्संग मेला में भक्त।

जयगुरुदेव आश्रम में तीन दिवसीय होली सत्संग मेला शुरु

मर्यादित होली खेलने का संदेश

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जयगुरुदेव आश्रम में आयोजित तीन दिवसीय होली सत्संग मेले का शुभारंभ श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ हुआ। पहले दिन राष्ट्रीय उपदेशक बाबूराम यादव एवं सतीश चन्द्र जी ने विशाल सभा को संबोधित करते हुए होली के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डाला। बाबूराम यादव ने कहा कि भारतवर्ष में होली का पर्व प्राचीन काल से ऋषि-मुनियों द्वारा प्रारंभ की गई एक सामाजिक और आध्यात्मिक परंपरा है। प्रारंभ में यह पर्व प्राकृतिक रंगों-कचनार और पलाश-से खेला जाता था, जिससे प्रेम, सौहार्द और मर्यादा बनी रहती थी। उन्होंने कहा कि रासायनिक रंगों के प्रयोग से

जयगुरुदेव आश्रम में होली सत्संग मेला में प्रवचन करते वक्ता।

जहां स्वास्थ्य और पर्यावरण को हानि पहुंची है, वहीं त्योहार का स्वरूप भी विकृत हुआ है। उन्होंने बताया कि गुरु महाराज बाबा जयगुरुदेव ने मर्यादित और सात्विक होली की परंपरा स्थापित की, जिसमें पुरुष-पुरुषों के साथ और महिलाएं-महिलाओं के साथ ब्रज की पावन रज माथे पर लगाकर गले मिलते हैं तथा आपसी भूल-चूक के लिए क्षमा मांगते हैं। इस अवसर पर बुराइयों का त्याग कर सदाचार का संकल्प लिया जाता है। राष्ट्रीय उपदेशक सतीश चन्द्र ने कहा कि कलयुग में सुरत-शब्द योग ही मोक्ष का मार्ग है। 'जयगुरुदेव' नाम का स्मरण जीवन और मृत्यु दोनों समय कल्याणकारी है। मेले में उत्तर प्रदेश सहित बिहार, राजस्थान, मध्य प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, झारखंड, छत्तीसगढ़, उड़ीसा, महाराष्ट्र, गुजरात एवं नेपाल से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे हैं। चार मार्च प्रातः मंदिर में पूजन के साथ कार्यक्रम आगे बढ़ेगा। संस्था प्रमुख पूज्य पंकज महाराज का सत्संग एवं नामदान प्रातः 6:30 बजे से आयोजित होगा।

हेमा मालिनी बनीं 'भारत-दक्षिण अफ्रीका संसदीय मैत्री समूह' की अध्यक्ष

यूनिक समय, मथुरा। सांसद हेमा मालिनी की उपलब्धियों में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि जुड़ गई है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने उन्हें 'भारत-दक्षिण अफ्रीका संसदीय मैत्री समूह' का अध्यक्ष नियुक्त किया है। यह नियुक्ति 18 वीं लोकसभा के कार्यकाल के लिए की गई है। लोकसभा सचिवालय द्वारा जारी पत्र के अनुसार, अब हेमा मालिनी दक्षिण अफ्रीका के साथ भारत के संसदीय और कूटनीतिक संबंधों को मजबूत करने की दिशा में कार्य करेंगी। संसदीय मैत्री समूह का उद्देश्य दोनों देशों के सांसदों के बीच संवाद बढ़ाना, आपसी सहयोग को प्रोत्साहित करना तथा व्यापार, संस्कृति और अन्य क्षेत्रों में संबंधों को और सुदृढ़ करना है। संसदीय मैत्री समूह अंतरराष्ट्रीय कूटनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा माने जाते हैं। इनके माध्यम से विभिन्न देशों के सांसद आपसी मुलाकात, विचार-विमर्श और आदान-प्रदान कार्यक्रमों के जरिए संबंधों को मजबूत करते हैं। अध्यक्ष के रूप में हेमा मालिनी भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच संसदीय प्रतिनिधिमंडलों के आदान-प्रदान कार्यक्रमों का नेतृत्व करेंगी। इससे दोनों देशों के लोकतांत्रिक मूल्यों और द्विपक्षीय संबंधों को नई मजबूती मिलने की उम्मीद है। इस नियुक्ति से मथुरा में खुशी का माहौल है। सांसद प्रतिनिधि जनार्दन शर्मा ने कहा कि हेमा मालिनी की कार्यकुशलता और अंतरराष्ट्रीय पहचान को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है।

दो दिन देरी से मिला वेतन, खातों में पहुंची राशि

पोर्टल में खराबी के कारण भुगतान रुका

समस्या ठीक होते ही कर्मचारियों को राहत

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य कर्मचारियों को 28 फरवरी को वेतन देने की घोषणा की थी। लेकिन तकनीकी खराबी के कारण वेतन और पेंशन समय पर नहीं मिल सके। पोर्टल में दिक्कत आने से करीब दो दिन तक भुगतान रुका रहा। बाद में पोर्टल ठीक होने पर सभी कर्मचारियों और पेंशनरों के खातों में रुपया भेज दिया गया। वेतन में देरी होने से कर्मचारियों में चिंता बढ़ गई थी। महीने के अंत में घर का खर्च, बच्चों की पढ़ाई और अन्य जरूरी काम वेतन पर ही निर्भर रहते हैं। त्योहार का समय होने के कारण लोगों को ज्यादा परेशानी महसूस हुई। कई कर्मचारी अपने वेतन का इंतजार कर रहे थे ताकि समय पर जरूरी सामान खरीद सकें। जैसे ही पोर्टल सही हुआ, वेतन और पेंशन की राशि खातों में पहुंचने लगी। पैसे मिलते ही कर्मचारियों ने राहत की सांस ली। त्योहार से पहले वेतन मिल जाने से उनके चेहरे पर खुशी साफ दिखाई दी। कर्मचारियों ने कहा कि दो दिन की देरी के बाद भले ही भुगतान हुआ, लेकिन त्योहार से पहले पैसा मिलने से कर्मचारियों और पेंशनरों में संतोष का माहौल है।

तापमान / मौसम

33 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

17 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना-चांदी भाव

सोना
24 कैरट 1,72,000
22 कैरट 1,58,240
(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी
3,05,000 प्रति किलो

आपातकालीन सेवाएं

112	आपातकालीन सेवा
1962	रेलवे हेल्पलाइन
100	पुलिस
108	एंबुलेंस (स्वास्थ्य सेवा)
102	एंबुलेंस (मातृ एवं शिशु सेवा)
101	अग्निशमन (फायर ब्रिगेड)
1090	महिला हेल्पलाइन
1091	महिला पुलिस सहायता
1098	चाइल्ड हेल्पलाइन
104	स्वास्थ्य सलाह सेवा
1076	मुख्यमंत्री हेल्पलाइन
1033	राष्ट्रीय राजमार्ग आपात सेवा
1073	सड़क दुर्घटना आपात सहायता

होली पर छावनी जंक्शन पर चला सघन अभियान, संदिग्धों की जांच

यूनिक समय, मथुरा। होली के त्योहार को देखते हुए रेलवे प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। मंगलवार सुबह नौ बजे से रेलवे स्टेशन छावनी, मथुरा जंक्शन पर एएस चेक टीम ने सघन चेकिंग अभियान चलाया। जीआरपी थाना प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार ने बताया कि अभियान के दौरान प्लेटफार्म, प्रतीक्षालय, टिकट घर और स्टेशन परिसर में आने-जाने वाले यात्रियों की गहन जांच की गई। संदिग्ध व्यक्तियों और लावारिस सामान पर विशेष नजर रखी गई। सुरक्षा कर्मियों ने यात्रियों के बैग और अन्य सामान की जांच करते हुए सुरक्षा संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि होली के अवसर पर यात्रियों की संख्या में बढ़ोतरी को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई है, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोका जा सके। चेकिंग अभियान में रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और जीआरपी के जवान भी मुस्तैदी से तैनात रहे। स्टेशन पर अनाउंसमेंट के माध्यम से यात्रियों से अपील की गई कि वे किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या वस्तु की सूचना तुरंत रेलवे पुलिस को दें। त्योहार को शांतिपूर्ण और सुरक्षित ढंग से संपन्न कराने के लिए यह अभियान लगातार जारी रहेगा।

सनसनी खेज वारदात से दहला मथुरा

किशोरी के भाई ने युवक के सीने में गोली मार की हत्या

मृतक के परिजन विलाप करते हुए।

प्रथम दृष्टया घटना प्रेम प्रसंग की लगती है: एसपीआरए

यूनिक समय, मथुरा। गांव सुहागपुर में युवक की गोली मारकर की गई हत्या और नाबालिग किशोरी द्वारा आत्महत्या का प्रयास किए जाने की खबर पर भारी संख्या में पुलिस बल और एसपीआरए और सीओ मांट वहां पहुंच गए। एसपीआरए सुरेशचंद रावत ने बताया कि फॉरेंसिक टीम को साक्ष्य एकत्रित करने के लिए घटनास्थल पर बुलाया गया है। अभियुक्त को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस की टीम बना दी गई है। प्रथम दृष्टया मामला प्रेम प्रसंग जैसा प्रतीत हो रहा है। घटना की बारीकी से जांच कराई जाएगी। तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित की गई

किशोरी से चार दिन से छेड़खानी कर रहा था मृतक

यूनिक समय, मथुरा। किशोरी द्वारा फांसी लगा कर अपनी जान देने का प्रयास करने के पीछे उसके परिवार का कहना है कि अर्जुन चार दिन से किशोरी को छेड़खानी करके परेशान कर रहा था। अर्जुन द्वारा की गई इन हरकतों से परेशान होकर किशोरी ने अपनी जान देने का प्रयास किया है।

मृतक शादीशुदा और दो बच्चों का था पिता

यूनिक समय, मथुरा। तीस वर्षीय अर्जुन शादी शुदा है। उसकी पत्नी और दो बच्चे हैं। उसकी मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। वहीं किशोरी 15 साल की होने के साथ–साथ नवीं कक्षा में पढ़ रही है। इस बात को लेकर भी गांव में चर्चा चल रही है।

हत्या के बाद गांव में तनाव, पुलिस तैनात

यूनिक समय, मथुरा। अर्जुन की गोली मारकर हत्या किए जाने की घटना के बाद गांव में तनाव के हालत बन गए हैं। पुलिस अधिकारियों ने इस बात को भांपते हुए गांव में शांति व्यवस्था कायम रखने के लिए पुलिस बल को तैनात कर दिया। गांव में हुई इस घटना से दोनों पक्षों के लोगों में एक दूसरे के प्रति अंदर ही अंदर गम और गुस्सा दिखाई दे रहा है।

तमंचे लहराते वीडियो वायरल किया

यूनिक समय, मथुरा। अर्जुन को गोली मारने के बाद हर्ष द्वारा दोनों हाथों में तमंचा लेकर लहराते हुए वीडियो वायरल किए जाने से गांव के लोग दहशत में हैं। कुछ लोगों को उसके द्वारा की गई इस तरह की वारदात को लेकर आक्रोश भी है।

किशोरी ने घर में फांसी लगाकर मरने का किया प्रयास

चिंताजनक हालत में आगरा में चल रहा है इलाज

मृतक के दोनों बच्चे।

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, सुरीर (मथुरा)। थाना नौहझील क्षेत्र के गांव में एक युवक की घर बुलाकर नाबालिग किशोरी के भाई ने गोली मारकर हत्या कर दी। वहीं संदिग्ध परिस्थितियों में किशोरी ने फांसी लगा कर आत्महत्या का प्रयास किया। किशोरी की हालत चिंताजनक बनी हुई है। घटना का पता लगने पर एसपीआरए सहित अन्य अधिकारियों ने गांव पहुंचकर घटना की जानकारी ली।

गांव सुहागपुर में आज उस समय सनसनी फैल गई जब एक युवक ने गांव के एक युवक को खेत से लौटते समय उसके सीने पर गोली मार दी। बताया गया कि गांव में रहने वाला युवक अर्जुन ट्रक ड्राइवर है। वह होली पर चार दिन पहले छुट्टी लेकर गांव आया था। अर्जुन खेत से अपने साथियों के साथ मिलकर लौट रहा था।

आरोपी गोली मारने के बाद तमंचा लहराता हुआ।

आरोप है कि रास्ते में नाबालिग युवती के भाई हर्ष ने अर्जुन के सीने में तमंचे से गोली मार दी। गोली लगने से वह जमीन पर गिर गया। उठकर भागने का प्रयास किया। हर्ष ने उसे दोबारा गोली मार दी। गोली मारने के बाद तमंचा लहराते हुए वह वहां से चला गया। घटना से गांव में सनसनी फैल गई। बताया गया कि हर्ष के घर पहुंचने पर उसकी नाबालिग बहन फांसी के फंदे पर लटक गई। किसी तरह से किशोरी को फांसी के फंदे से उतारा गया। इसके बाद उसे तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नौहझील ले जाया गया। उधर, गोली लगने से घायल अर्जुन को भी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। किशोरी की चिंताजनक हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे आगरा रेफर कर दिया।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा

नगर आयुक्त ने अधिकारियों को दिए दिशा निर्देश

यूनिक समय, मथुरा। होली पर नगर आयुक्त जगप्रवेश ने नगर क्षेत्र में साफ–सफाई, पेयजल, लीकेज, सीवर व्यवस्था एवं अन्य समस्त व्यवस्थाओं को सुचारु एवं उच्च स्तर पर बनाए रखने के उद्देश्य से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा की। नगर आयुक्त ने कहा कि ब्रज में होली का पर्व विश्व प्रसिद्ध है, जिसे अत्यंत श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया जाता है। देश–विदेश से लाखों श्रद्धालु एवं पर्यटक इस अवसर पर मथुरा–वृंदावन आते हैं। ऐसे में नगर निगम द्वारा की जाने वाली सभी व्यवस्थाएं उच्च, सुव्यवस्थित एवं संतोषजनक होनी चाहिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी अधिकारी फील्ड में उपस्थित रहकर स्वयं निगरानी करें तथा सफाई व्यवस्था में किसी भी प्रकार की कमी न रहने दें। होलिका दहन स्थलों पर निर्धारित समय से राख आदि अवशिष्ट की सफाई सुनिश्चित की जाए। प्रमुख मार्गों, मंदिरों से जुड़े मार्गों तथा संपूर्ण नगर क्षेत्र में उच्च कोटि की स्वच्छता रखी जाएं। जलकल विभाग के अवर अभियंता एवं सहायक अभियंताओं को निर्देशित किया गया कि कहीं भी पेयजल लीकेज, सीवर ओवरफ्लो अथवा जल आपूर्ति में बाधा उत्पन्न न हो। यदि किसी स्थान पर समस्या उत्पन्न होती है तो उसका तत्काल समाधान सुनिश्चित किया जाए। महाप्रबंधक (जल) को निर्देश दिए गए कि प्रत्येक जोन में त्वरित प्रतिक्रिया टीम का गठन कर आवश्यकतानुसार पर्याप्त संख्या में पानी के टैंकर उपलब्ध रखें, ताकि कहीं भी पेयजल की कमी न होने पाए। किसी भी प्रकार की समस्या की स्थिति में तत्काल प्रभाव से वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। नगर आयुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय बनाए रखते हुए कार्य करने के निर्देश दिए। इसमें सभी अपर नगर आयुक्त, सहायक नगर आयुक्त, महाप्रबंधक (जल), नगर स्वास्थ्य अधिकारी, सभी अधिशासी अभियंता, सहायक अभियंता, अवर अभियंता, क्षेत्रीय स्वास्थ्य अधिकारी, सभी सफाई निरीक्षक, सुपरवाइजर तथा नगर निगम मथुरा–वृंदावन के स्वच्छता कार्य में संलग्न कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधि सहित सभी प्रभारी अधिकारी उपस्थित थे।

भजनों के सुर, रसिया की तान पर झूमे दर्शक

यूनिक समय, फरह (मथुरा)। कस्बा स्थित पथवारी मंदिर परिसर में आयोजित कार्यक्रम में दर्शन जमकर झूमे। भजनों के सुर और रसिया की तान पर सैकड़ो दर्शक देर रात तक आनंद लेते रहे। होलिका दहन के बाद कार्यक्रम संपन्न हुआ।

सोमवार शाम होलिका दहन स्थल पर आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष मुरारी लाल शर्मा और समाजसेवी जितेंद्र पचौरी ने किया। भजन गायकों ने फाल्गुन की मस्ती में डूबे भजनों की ऐसी तान छेड़ी कि दर्शक झूम उठे। रंग डार गयो री मोपे सांवरा भजन पर तो समूचा परिसर झूम उठा। भजन गायक गिरधर गोपाल, गोपाली, गजेंद्र और योगेश, विक्रम ने एक से बढ़कर एक सुंदर भजन सुनाए। होली से जुड़े रसिया भी

कस्बा स्थित पथवारी मंदिर चौक परिसर में आयोजित कार्यक्रम में भजन प्रस्तुत करता कलाकार।

सुनाए गए। रसिया की तान पर सैकड़ो दर्शक झूम–झूम कर नृत्य करते रहे। कस्बा निवासी रवी सोनी और यश सिंघल ने बांके बिहारी और खाटू श्याम की भक्ति से जुड़े भजन प्रस्तुत कर माहौल में होली का रंग भर दिया। दर्शकों की मांग पर दोनों ने एक से बढ़कर एक भक्ति रस में डूबे भजन प्रस्तुत किए। दर्शक भी दोनों गायकों का तालियों से उत्साह वर्धन करते रहे। रात करीब 11 बजे होलिका दहन किया गया तो वातावरण होलिका मैया के जयकारों से गूंज

पथवारी मंदिर परिसर में जमकर बरसा भजनों का अमृत

उठा। होलिका दहन होते ही सैकड़ो की संख्या में मौजूद लोग होली की अग्नि लेकर अपने घरों में गए, जिससे घरों में रखी गई होलिकाओं का पूजन किया। इससे पहले आयोजन समिति ने दर्शकों के लिए ठंडाई के प्रसाद का वितरण कराया। कार्यक्रम में विधी चंद्र अग्रवाल, हरिओम सिंधल, रामू अग्रवाल, जयप्रकाश छप्पो, दिनेश तरकर, रामेश्वर सिंह, मोहन अग्रवाल, कलुआ, सौनू शर्मा, राहुल अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, गोपाल डीलर, लवकुश अग्रवाल तथा दाऊदयाल अग्रवाल आदि सहयोगी मौजूद थे।

गांव लोहवन के एसटीपी प्लांट में भीषण अग्निकांड

यूनिक समय, मथुरा। थाना यमुना पार क्षेत्र के ग्राम लोहवन स्थित सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) में देर रात शॉर्ट सर्किट से लगी भीषण आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। आग की खबर से प्लांट में अफरा–तफरी मच गई। आग की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की दमकल की दस गाड़ियां पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों को आग पर काबू पाने के लिए कई घंटों तक कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। करोड़ों रुपये के नुकसान की आशंका है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार प्लांट में आग लगने के दौरान कर्मचारी अपनी जान बचाने के लिए तुरंत सुरक्षित स्थानों की ओर गए। आग की लपटों और धुएं ने पूरे प्लांट को अपनी चपेट

करोड़ों रुपये की संपत्ति का नुकसान

में ले लिया था, जिससे उपकरणों और अन्य संपत्तियों को बड़ी क्षति पहुंची है। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है, लेकिन प्रारंभिक तौर पर शॉर्ट सर्किट को इसका मुख्य कारण माना जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और पुलिस के अधिकारी भी पहुंच गए। उन्होंने स्थिति का जायजा लिया और राहत एवं बचाव कार्यों का निरीक्षण किया। आग बुझाने के बाद, नुकसान के आंकलन के लिए विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है।

गनेशरा नाले पर पेड़ पर लटका शव मिला

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाईवे क्षेत्र स्थित गनेशरा नाले के समीप एक पेड़ पर झूलते युवक के शव को देखकर वहां से गुजरने वाले लोग डर के मारे भयभीत हो गए। कुछ ही देर में पेड़ पर लटके शव का पता लगने पर बड़ी संख्या में लोग वहां एकत्रित हो गए। युवक की शिनाख्त अमरपुरम कॉलोनी हाईवे के रूप में हुई है। बताया गया कि आज प्रातः गनेशरा नाले के समीप पेड़ पर एक अज्ञात युवक का शव लटका देख लोगों में दहशत फैल गई। काफी संख्या में लोग शव को देखने के लिए वहां एकत्रित हो गए। पुलिस को भी इस बारे में बताया गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पेड़ से नीचे उतरवाया। इसी दौरान कुछ लोगों ने मरने वाली की

युवक की शिनाख्त हलवाई देवकरन के रूप में हुई

शिनाख्त अमरपुरम कॉलोनी थाना हाईवे निवासी देवकरन के रूप में की। पुलिस ने देवकरन के परिवार को इस बारे में फोन कर बताया। परिवार में उसकी मौत का पता लगने पर कोहराम मच गया। परिवार के लोगों ने बताया कि देवकरन हलवाई का काम करता था। उसके परिवार में दो बेटे हैं। बड़ा बेटा 17 साल का है। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिवार के लोगों का कहना है कि उसने ऐसा क्यो किया या उसके साथ कोई अनहोनी हुई है।

जीएलए और एएएफएम इंडिया के मध्य हुआ एमओयू

यूनिक समय, मथुरा। जीएलए विश्वविद्यालय ने अपने एमबीए–फाइनेंशियल मार्केट्स एंड बैंकिंग प्रोग्राम के विद्यार्थियों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने और उन्हें उद्योग–उन्मुख शिक्षा प्रदान करने की दिशा में एक अहम कदम उठाया है। विश्वविद्यालय ने अमेरिकन अकेडमी ऑफ फाइनेंशियल मैनेजमेंट (एएएफएम, इंडिया) के साथ एक एमओयू किया है। इसके माध्यम से अब विद्यार्थियों को उनके नियमित पाठ्यक्रम के साथ ही अंतरराष्ट्रीय स्तर के फाइनेंशियल सर्टिफिकेशन प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। एमओयू की प्रक्रिया जीएलए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता, कुलसचिव अशोक कुमार सिंह, इंस्टिट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के निदेशक प्रो. अनुराग सिंह, विभागाध्यक्ष प्रो. उत्कल खंडेलवाल, सह–विभागाध्यक्ष प्रो. कृष्णवीर सिंह, डीनइंटरनेशनल रिलेशन्स एवं अकादमिक कोलैबोरेशन प्रो. दिलीप शर्मा, डॉ. गुंजन शर्मा तथा एएएफएम इंडिया के सीईओ पुलोक भट्टाचार्जी, हेड–ऑपरेशंस जितेश कपूर, मैनेजर–इंस्टिट्यूशनल सेल्स गुनिंदर सहगल की उपस्थिति में संपन्न हुयी। इस अवसर पर जीएलए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता ने कहा कि यह एमओयू विद्यार्थियों के लिए शिक्षा, कौशल विकास और पेशेवर उत्कृष्टता का नया अध्याय लिखेगा। यह साझेदारी केवल रोजगारपरक शिक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों को ऐसे व्यावहारिक कौशल, वैश्विक दृष्टिकोण और नेतृत्व क्षमता से सशक्त बनाने का प्रयास है। एएएफएम इंडिया के सीईओ पुलोक भट्टाचार्जी ने कहा कि हमारा उद्देश्य भारत में वित्तीय शिक्षा को अंतरराष्ट्रीय मानकों तक पहुंचाना है। जीएलए विश्वविद्यालय के साथ यह समझौता इस दिशा में एक सशक्त कदम है, जो छात्रों को वैश्विक अवसरों के लिए तैयार करेगा। इंस्टिट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के निदेशक प्रो. अनुराग सिंह ने कहा कि जीएलए विश्वविद्यालय में पिछले कई वर्षों से फाइनैंशल मार्केट्स और बैंकिंग में विशेषज्ञता वाला दो वर्षीय एमबीए कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों को वित्तीय क्षेत्र की गहराई से समझ प्रदान करता है और उन्हें बैंकिंग, इन्वेस्टमेंट एवं कैपिटल मार्केट्स जैसे क्षेत्रों में कार्य करने के लिए तैयार करता है। विभागाध्यक्ष प्रो. उत्कल खंडेलवाल और सह–विभागाध्यक्ष प्रो. कृष्णवीर सिंह ने कहा कि एमबीए–फाइनेंशियल मार्केट्स एंड बैंकिंग पहले से ही उद्योग–केंद्रित रहा है। अब एएएफएम इंडिया के जुड़ने से यह कार्यक्रम और अधिक व्यावहारिक, रोजगारोन्मुख और अंतरराष्ट्रीय स्तर का हो गया है। जीएलए विश्वविद्यालय और एएएफएम इंडिया मिलकर छात्रों को बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं और बीमा क्षेत्र से संबंधित ऐड–ऑन सर्टिफिकेशन्स के लिए विशेष मार्गदर्शन और मेंटरिंग सहायता प्रदान करेंगे। इसके अलावा दोनों संस्थान संयुक्त रूप से कॉन्फ्रेंस, सेमिनार, वर्कशॉप, वेबिनार, गेस्ट लेक्चर और शैक्षणिक बैठकों आदि का आयोजन भी करेंगे। वहीं डीन इंटरनेशनल रिलेशन्स एवं अकादमिक कोलैबोरेशन प्रो. दिलीप शर्मा ने कहा कि यह पहल विश्वविद्यालय की उस प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है जिसके तहत वह शिक्षा को रोजगार, नवाचार और वैश्विक प्रतिस्पर्धा से जोड़ने का निरंतर प्रयास कर रहा है। एएएफएम इंडिया के साथ यह साझेदारी न केवल हमारे विद्यार्थियों के लिए सफलता के नये द्वार खोलेगी, बल्कि विश्वविद्यालय की वैश्विक साख को भी और सुदृढ़ करेगी।

जीएलए और एएएफएम इंडिया के मध्य एमओयू हुआ। इस दौरान दोनों संस्थान के पदाधिकारीगण।

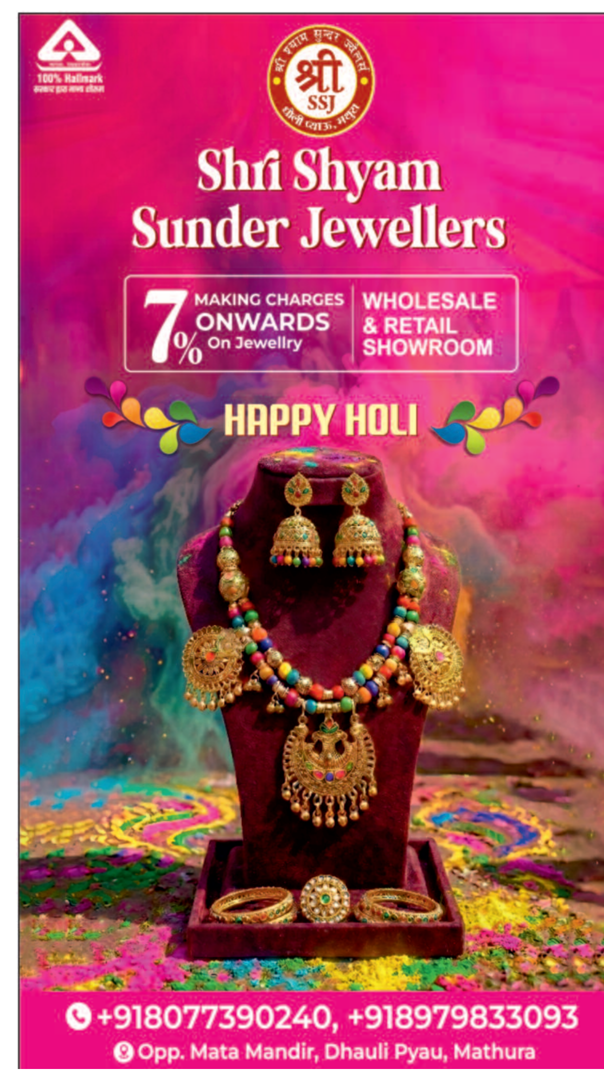

ठा. गरुण गोविंद पर अग्रवाल क्लब परिवार ने मनाया होली उत्सव

लट्ठमार होली और भजनों की धूम में देर रात तक झूमते रहे सदस्य

यूनिक समय, मथुरा। अग्रवाल क्लब परिवार के सदस्यों ने ब्रज के पौराणिक स्थल ठाकुर गरुड़ गोविंद महाराज मंदिर के प्रांगण में होली उत्सव मनाया। कार्यक्रम में फूलों की होली, लट्ठमार होली, होली के गीतों और भजनों के साथ सभी सदस्य जमकर झूमे। मंदिर परिसर में ठाकुर जी का भव्य फूल बंगला सजाया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थापक अजय कांत गर्ग, अध्यक्ष दिलीप गर्ग, सचिव शोमित अग्रवाल, योगेश अग्रवाल, योगिता तायल, नितिन अग्रवाल और नेहा गर्ग ने भगवान श्रीकृष्ण और राधा के स्वरूप के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। साथ ही हाउजी का आयोजन हुआ। इसमें विजेताओं को उपहार प्रदान किए गए।

ठाकुर गरुड़ गोविंद मंदिर परिसर में आयोजित होली उत्सव में थिरकती महिलाएं।

कार्यक्रम के मुख्य संयोजक शैलेंद्र, वंदना अग्रवाल, संयोजक प्रमोद, शालिनी गुप्ता, संतोष, रेखा सिंघल, निखिल, श्वेता अग्रवाल, पीयूष, अकुंजा अग्रवाल, अनुज, गुंजन बंसल, सौरभ, स्वाति गर्ग को पदाधिकारियों ने सम्मानित किया। राधा–कृष्ण स्वरूप और सखियों ने मयूर नृत्य किया। कार्यक्रम में गौरव दीपा अग्रवाल, नितिन मोहिनी अग्रवाल, श्रीमती लक्ष्मी गर्ग, श्रीमती नीतू गर्ग, श्रीमती शिल्पा अग्रवाल, मनीष मिनी बिंदल, चिराग प्रीति अग्रवाल, नीरज अग्रवाल, तनु गर्ग, नरेंद्र अंजना अग्रवाल, धीरज सीमा गोयल, विशाल पारुल अग्रवाल, दीपक रीना अग्रवाल, योगेश राधिका अग्रवाल, पवन राधिका अग्रवाल, अमर सुहानी गोयल, कृष्ण गोपाल बबीता अग्रवाल, कृष्ण मुरारी सुनीता अग्रवाल, उज्ज्वल शुचि अग्रवाल, गौरव चंचल अग्रवाल, अवधेश प्रियंका मित्तल, रूप कृष्ण सरज गर्ग, विनीत लवली गोयल, गौरव कमल गोयल, निशांत ऋचा अग्रवाल सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

18 पाउच देशी शराब के साथ गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। मांट पुलिस ने एक अभियुक्त को 18 पाउच देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने चेकिंग के दौरान बारह मासी तिराहे दरबे की तरफ से जाते अभियुक्त सुभाष निवासी ग्राम चौकड़ा को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 18 पाउच देशी शराब नगीना मार्का बरामद किए हैं। पुलिस ने अभियुक्त के खिलाफ आबकारी एक्ट में कार्रवाई की है।

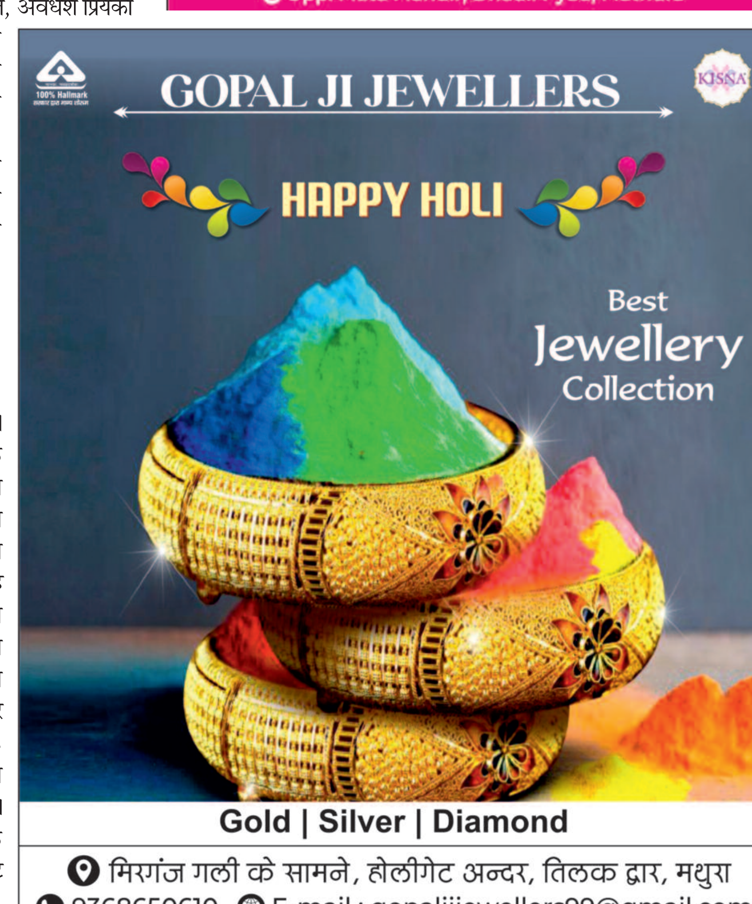

कुश्ती दंगल में शेरा और विक्रम की कुश्ती बराबरी पर छूटी

यूनिक समय, गोवर्धन। क्षेत्र के गांव अड़ींग के टीले पर आज कुश्ती दंगल का आयोजन किया। ग्रामीण परिवेश में आयोजित इस दंगल को लेकर क्षेत्र में कई दिनों से उत्साह का माहौल बना हुआ था। दंगल में 50 रुपये से लेकर 51 हजार रुपये तक की इनामी कुश्तियां कराई गईं। बड़ी इनामी राशि वाली कुश्तियां दर्शकों के आकर्षण का विशेष केंद्र रहीं। उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों के अलावा अन्य प्रांतों से भी नामी पहलवानों ने दंगल में भाग लेकर अपने दांव–पेंच और ताकत का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की अंतिम कुश्ती भारत केसरी शेरा पहलवान और विक्रम पहलवान के बीच हुई, जो कड़े मुकाबले के बाद बराबरी पर छूटी। अड़ींग के पूर्व प्रधान मुनीश स्वरूप एडवोकेट उर्फ बंदर प्रधान ने अंतिम कुश्ती के दोनों पहलवानों को 11–11 हजार रुपये की नगद राशि देकर सम्मानित किया। अड़ींग पुलिस चौकी प्रभारी प्रदीप भदौरिया के नेतृत्व में पीएसी और पुलिस बल तैनात रहा। दंगल के समापन पर विजेता एवं उपविजेता पहलवानों को नगद पुरस्कार और सम्मान देकर प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर रणवीर चौधरी, दिनेश त्रिपाठी, बंदर प्रधान, लाला पंडित, गब्बर सैनी, पूरन यादव, कन्हैया ठाकुर, अशोक पहलवान एवं बिजेंद्र पहलवान आदि उपस्थित थे।

सुविचार

हर दिन नया मौका है, बेहतर बनो।

कल का पंचांग

तिथि	द्वितीया	04:49-05:03 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	पूर्व फाल्गुनी	07:31-07:38 तक	माह	चैत्र
सूर्योदय		06:49 AM	चन्द्रोदय	07:26 PM
सूर्यास्त		06:27 PM	चंद्रास्त	07:39 AM
सूर्य राशि		कुंभ राशि	चंद्र	सिंह राशि
शुभ मुहूर्त			ब्रहम् मुहूर्त	05:018-06:05
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2082
राहुकाल	12:38 PM:02:05PM		वार	बुधवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

रहस्य : क्या सच में शरीर को कमजोर करती हैं तंत्र क्रिया

यूनिक समय, मथुरा। अक्सर लोग महसूस करते हैं कि सब कुछ सामान्य होने के बावजूद जीवन में उलझनें बढ़ती जा रही हैं। स्वास्थ्य जांच ठीक आती है, पूजा–पाठ भी चलता रहता है, फिर भी मन अशांत और शरीर कमजोर महसूस होता है। ऐसी स्थिति में कई लोग इसे तंत्र क्रिया या ब्लैक मैजिक का असर मान लेते हैं। ज्योतिष और आध्यात्मिक मान्यताओं में इस विषय पर अलग दृष्टिकोण मिलता है, लेकिन इसके साथ सावधानी भी जरूरी है।

तंत्र क्रिया और पंचतत्व का संबंधः ज्योतिष शास्त्र के अनुसार मानव शरीर पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश-इन पांच तत्वों से बना है। मान्यता है कि नकारात्मक ऊर्जा इन तत्वों का संतुलन बिगाड़ सकती है। कुछ लोग मानते हैं कि तांत्रिक क्रियाओं में व्यक्ति की निजी वस्तुएं ऊर्जा का माध्यम बनती हैं। हालांकि, ज्योतिष यह भी कहता है कि बिना कर्म आधार के कोई प्रभाव स्थायी नहीं होता।

सबसे पहले कौन सा अंग प्रभावित होता है?

आध्यात्मिक मान्यताओं के अनुसार, यदि किसी पर नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव पड़ता है तो उसका असर शरीर के चक्रों पर दिख सकता है।

मणिपुर (नाभि) चक्रः पेट संबंधी समस्याएं, बिना कारण घबराहट, कमजोरी या बेचैनी को कुछ लोग नाभि चक्र के असंतुलन से जोड़ते हैं। ज्योतिष में इसे राहु या केतु की प्रतिकूल दशा से भी जोड़ा जाता है।

हृदय चक्रः अचानक भावनात्मक टूटन, अवसाद या रिश्तों में दूरी को हृदय चक्र के अवरोध के रूप में देखा जाता है। हालांकि आधुनिक चिकित्सा इसे तनाव और जीवनशैली से जोड़ती है।

मूलाधार चक्रः दांपत्य जीवन में समस्या या आत्मविश्वास की कमी को मूलाधार चक्र से संबंधित माना जाता है। ज्योतिषी इसे शुक्र या मंगल ग्रह की स्थिति से जोड़ते हैं।

क्या हर बीमारी तंत्र का परिणाम है?

यह समझना जरूरी है कि हर शारीरिक या मानसिक समस्या को तंत्र क्रिया का परिणाम मान लेना खतरनाक हो सकता है। हृदय रोग, लिवर समस्या या अन्य गंभीर बीमारियों के लिए चिकित्सा जांच अनिवार्य है। अनुभवी ज्योतिषी भी पहले स्वास्थ्य परीक्षण की सलाह देते हैं, फिर ग्रह दशा का विश्लेषण करते हैं।

बचाव के उपायः डरने की जगह सजग रहना बेहतर है। नियमित ध्यान, प्राणायाम, सकारात्मक संगति और संतुलित जीवनशैली अपनाना सबसे प्रभावी उपाय हैं।

यदि आवश्यक लगे तो कुंडली विश्लेषण और उचित ज्योतिषीय मार्गदर्शन लिया जा सकता है। अंततः याद रखें कि जीवन में आने वाली चुनौतियां केवल अदृश्य शक्तियों का परिणाम नहीं होतीं। संतुलित मन, स्वस्थ शरीर और सकारात्मक सोच ही सबसे बड़ी रक्षा शक्ति है।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

व्रत–त्योहार का कैलेंडर 2026

- 4 मार्च, दिन बुधवारः होली
- 6 मार्च, दिन शुक्रवारः भालचन्द्र संकष्टी
- 15 मार्च, दिन रविवारः पापमोचनी एकादशी
- 16 मार्च, दिन सोमवारः सोम प्रदोष व्रत
- 17 मार्च, दिन मंगलवारः चैत्र मासिक शिवरात्रि
- 19 मार्च, दिन बृहस्पतिवारः चैत्र अमावस्या, चैत्र नवरात्रि प्रारंभ
- 22 मार्च, दिन रविवारः वासुदेव चतुर्थी
- 26 मार्च, दिन गुरुवारः राम नवमी
- 29 मार्च, दिन रविवारः कामदा एकादशी
- 30 मार्च, दिन सोमवारः सोम प्रदोष व्रत

कल का राशिफल

मेष राशि वालों के लिए दिन आर्थिक लाभ देने वाला रहेगा। कार्यक्षेत्र में सहयोगियों का साथ मिलेगा और परिवार में मांगलिक कार्यक्रम की तैयारी से माहौल खुशनुमा रहेगा।

वृषभ जातकों में नई ऊर्जा देखने को मिलेगी। विद्यार्थियों को पढ़ाई में लापरवाही से बचना होगा, जबकि अविवाहितों के जीवन में नए रिश्ते की दस्तक संभव है।

मिथुन राशि के लोग उन्नति की ओर कदम बढ़ाएंगे। मित्रों का सहयोग मिलेगा, हालांकि सेहत को लेकर सतर्क रहने की जरूरत है। निवेश सोच–समझकर करें।

कर्क राशि वालों को जल्दबाजी से बचना होगा। आर्थिक मामलों में सावधानी रखें और अजनबियों पर भरोसा न करें। नौकरी की तैयारी कर रहे लोगों को शुभ समाचार मिल सकता है।

सिंह राशि के लिए पारिवारिक चिंताएं बढ़ सकती हैं। राजनीति या नौकरी से जुड़े लोगों को संयम बनाए रखना होगा। प्रॉपर्टी विवाद परेशान कर सकता है।

कन्या राशि वालों को वाणी पर नियंत्रण रखने की सलाह है। खोई हुई वस्तु मिलने की संभावना है और शिक्षा से जुड़ी समस्याओं का समाधान मिल सकता है।

तुला जातकों को वाहन चलाते समय सावधानी बरतनी होगी। स्वास्थ्य और संपत्ति मामलों में सतर्क रहें।

वृश्चिक राशि के लिए मेहनत भरा दिन रहेगा। खर्चों पर नियंत्रण रखें और निवेश विशेषज्ञ की सलाह से करें।

धनु राशि वालों के लिए दिन सकारात्मक रहेगा। कार्यक्षेत्र में ऊर्जा बनी रहेगी और परिवार का सहयोग मिलेगा।

मकर जातकों को अतिरिक्त आय का अवसर मिल सकता है, लेकिन खर्च भी बढ़ेंगे। धार्मिक आयोजन से परिवार में एकता बढ़ेगी।

कुंभ राशि के लिए संपत्ति लेनदेन में सतर्कता जरूरी है। रिश्तों में मधुरता लाने का प्रयास सफल होगा।

मीन राशि वालों को खुशखबरी मिल सकती है। पारिवारिक समय सुखद रहेगा और व्यवसाय में साझेदारी के अवसर बनेंगे।

मिट्टी का मटका सही दिशा में रखें, घर में बढ़ेगी सुख–समृद्धि

यूनिक समय, मथुरा। घर या ऑफिस में पानी से भरे मिट्टी के मटके (घड़े) को सही दिशा में रखना वास्तु शास्त्र के अनुसार बहुत शुभ माना जाता है। मटका न केवल पानी को ताजगी देता है, बल्कि घर और कार्यालय में सकारात्मक ऊर्जा, सुख–शांति और स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी होता है।

मटका और स्वास्थ्यः प्राकृतिक मिट्टी में पानी रखने से उसमें ठंडक बनी रहती है, जो शरीर को तरोताजा महसूस कराती है। इसके अलावा, पानी का मटका जल तत्व से जुड़ी ऊर्जा को संतुलित करता है और घर के वातावरण को सुखद और शांतिपूर्ण बनाता है।

उत्तर दिशा में मटका रखना शुभः वास्तु शास्त्र के अनुसार, मटका रखने के लिए सबसे उचित दिशा उत्तर दिशा है। उत्तर दिशा जल तत्व का प्रतीक है और इस दिशा में मटका रखने से धन, स्वास्थ्य और घर में शांति बनी रहती है। घर के पूजा स्थल या पानी के स्थान के पास मटका रखना सबसे लाभकारी माना जाता है।

कार्यालय और सार्वजनिक स्थानः अगर आप ऑफिस या किसी सार्वजनिक जगह पर मटका रखते हैं, तो इसे उत्तर या पूर्व दिशा में रखना शुभ होता है। इससे कार्यस्थल पर स्थिरता आती है और सकारात्मक वातावरण बनता है।

सकारात्मक ऊर्जा का संचारः सही दिशा में रखा मटका वास्तु दोष को कम करता है और घर या ऑफिस में बेहतर ऊर्जा का संचार करता है। पानी को हमेशा ताजा रखें और मटका नियमित साफ करें। इससे न केवल पानी की शुद्धता बनी रहती है, बल्कि घर और परिवार में स्वास्थ्य और खुशहाली भी बनी रहती है।

जो माता–पिता ये बातें नहीं सिखाते, वे संतान के शत्रु हैं!

यूनिक समय, मथुरा। आचार्य चाणक्य के अनुसार कुछ ऐसी चीजें हैं जो हर माता पिता को अपने बच्चों को जरूर सिखानी चाहिए। आज इसी के बारे में हम आपको अपने इस लेख में जानकारी देंगे।

आचार्य चाणक्य ने नीति शास्त्र में कई शिक्षाएं दी हैं। उनके द्वारा दी गई शिक्षाएं आज भी उतनी ही प्रासंगिक और अर्थपूर्ण हैं जितनी उनके समय में थी। जीवन के लगभग हर पक्ष को नीति शास्त्र में आचार्य चाणक्य ने छुआ है। उन्होंने नीति शास्त्र में यह भी बताया है कि माता पिता को कैसा होना चाहिए और अपनी संतान को क्या चीजें उन्हें अवश्य देनी चाहिए। चाणक्य के अनुसार कुछ ऐसी चीजें हैं जिन्हें माता–पिता अपने बच्चे को नहीं देते तो वो बच्चों के दुश्मन से कम नहीं होते। आइए जानते हैं इन चीजों के बारे में।

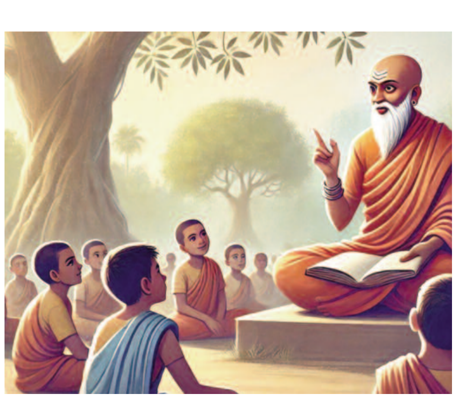

आचार्य चाणक्य नीति शास्त्र में कहते हैं कि अगर कोई माता–पिता बच्चे को उचित शिक्षा नहीं देते तो वो बच्चे के शत्रु होते हैं। अशिक्षित व्यक्ति हमेशा समाज में तिरस्कृत होता है और विद्वान लोगों के बीच उसकी कोई पूछ नहीं होती। आचार्य चाणक्य ने अनपढ़ व्यक्ति को हंसों के बीच बगुले की तरह बताया है। इसलिए हर माता–पिता को शिक्षा अपने बच्चों को अवश्य देनी चाहिए ताकि वो समाज में सकारात्मक रूप से योगदान दे सके।

सत्य और विनम्रता : माता–पिता को बचपन में ही बच्चों को सत्य और विनम्रता का पाठ पढ़ाना चाहिए। आचार्य चाणक्य कहते हैं कि ये वो चीजें हैं जिनका बीज बचपन में ही पड़ता है। इसलिए हर अभिभावक को सत्य और विनम्रता अपने बच्चे को अवश्य सिखानी चाहिए। अगर सत्य और विनम्रता किसी व्यक्ति में नहीं है तो वो समाज का हित नहीं बल्कि अहित करता है।

सब का सम्मान करना : माता–पिता का यह दायित्व होता है कि वो बच्चों को सब का सम्मान करना सिखाएं। जो माता–पिता अपने बच्चे को यह गुण नहीं देते वो समाज में दूसरों में कमियां निकालने का काम करता है और इससे दूसरे की नहीं बल्कि उसकी मान हानि होती है। दूसरों का सम्मान न करने वाला व्यक्ति न केवल अपना बल्कि अपने परिवार का नाम भी खराब करता है।

आलस्य न करना :आलस्य को व्यक्ति का शत्रु माना जाता है। इसलिए माता पिता को अपने बच्चे को आलस्य से दूर रखना चाहिए। आचार्य चाणक्य कहते हैं कि बच्चा आलस्य से दूर रहे इसलिए माता–पिता को उसके सामने सक्रिय रहना चाहिए, क्योंकि बच्चा वही सीखता है जो देखता है।

सम्पादकीय

सोशल मीडिया की अदालत, फैसले मिनटों में

कभी न्यायालयों में तारीख पर तारीख मिलती थी, अब सोशल मीडिया की अदालत में फैसला पोस्ट होते ही सुना दिया जाता है। न जज की जरूरत, न वकील की, न सबूत की–बस एक वायरल वीडियो, आधी–अधूरी जानकारी और पूरी–पूरी राय। यहां हर यूज़र अपने आप में न्यायमूर्ति है और हर कमेंट एक ऐतिहासिक निर्णय।

इस अदालत की कार्यवाही चौबीसों घंटे चलती है। सुबह किसी सेलिब्रिटी पर आरोप तय होते हैं, दोपहर तक राष्ट्रहित का प्रश्न बन जाता है और शाम तक सजा–ए–बहिष्कार सुना दी जाती है। अगले दिन वही भीड़ किसी और मामले की सुनवाई में व्यस्त मिलती है। यहां स्मृति भी ट्रेंड की तरह अस्थायी है–जब तक है, तब तक प्रचंड है। सबसे दिलचस्प बात यह है कि इस अदालत में 'फॉरवर्डेड ऐज़ रिसीव्ड' सबसे बड़ा साक्ष्य माना जाता है। कोई तथ्य जांचने की जरूरत नहीं। वीडियो का स्रोत क्या है, तस्वीर पुरानी है या नई–इन प्रश्नों से न्याय प्रक्रिया बाधित होती है। यहां भावनाएं ही संविधान हैं और गुस्सा सर्वोच्च न्यायालय। जिसने जितना तीखा लिखा, वही उतना बड़ा देशभक्त या समाजरक्षक घोषित हो जाता है। ट्रोल संस्कृति इस अदालत की विशेष शाखा है। यह शाखा तर्क नहीं करती, सीधे चरित्र पर प्रहार करती है। असहमति का मतलब दुश्मनी और प्रश्न पूछना देशद्रोह की श्रेणी में रखा जाता है। प्रोफाइल तस्वीर में तिरंगा लगाकर कोई भी स्वयंभू प्रहरी बन सकता है। शब्दों की मर्यादा यहां अक्सर लॉग–आउट हो चुकी होती है। विडंबना यह है कि सोशल मीडिया ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को विस्तार दिया, पर उसी स्वतंत्रता को शोर में बदलने की कला भी सिखा दी। लोकतंत्र संवाद से चलता है, लेकिन यहां संवाद की जगह डिबेट शो जैसी चीख–पुकार है। जो ट्रेंड करता है, वही सत्य मान लिया जाता है। एल्गोरिद्म की कृपा से न्याय की दिशा तय होती है। फिर भी पूरी तस्वीर नकारात्मक नहीं है। यही मंच कई बार सच्चाई को उजागर भी करता है, दबे मुद्दों को आवाज देता है और जिम्मेदारों को जवाबदेह बनाता है। समस्या मंच में नहीं, हमारी अधीरता में है। हम सुनने से ज्यादा सुनाने में विश्वास करने लगे हैं। सोशल मीडिया की अदालत से बचना संभव नहीं, पर सजग रहना संभव है। अगली बार जब कोई खबर गुस्सा दिलाए, तो फैसला सुनाने से पहले थोड़ा ठहरें। क्योंकि न्याय केवल तेज नहीं, सही भी होना चाहिए। वरना आज जो ट्रोल कर रहा है, कल वही ट्रोल होने की बारी का इंतजार करेगा।

पवन गौतम
संपादक

इस कॉलम को मोबाइल पर सुनने के लिए QR कोड को स्कैन करें।

नजरिया

बारूद के ढेर पर पश्चिम एशिया

क्या क्षेत्रीय टकराव बनेगा वैश्विक तूफान?

नीरज दुबे

पश्चिम एशिया एक बार फिर अस्थिरता के ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहां एक चिंगारी भी व्यापक विस्फोट का कारण बन सकती है। हालिया घटनाक्रम में अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर किए गए समन्वित सैन्य प्रहार ने पूरे क्षेत्र की सामरिक संरचना को झकझोर दिया है। यह केवल एक देश पर हमला नहीं, बल्कि उस संतुलन पर प्रहार है, जो दशकों से तनाव, अविश्वास और शक्ति–प्रदर्शन के बीच किसी तरह टिके रहने की कोशिश करता रहा है। प्रश्न यह है कि क्या यह कार्रवाई वास्तव में परमाणु खतरे को रोकने के उद्देश्य से की गई, या फिर यह पश्चिम एशिया की राजनीतिक संरचना को अपने अनुकूल ढालने की एक दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है?

तेहरान पर सीधे हमले, सर्वोच्च नेतृत्व को निशाना बनाने के संकेत और शासन परिवर्तन की अटकलें इस संघर्ष को सीमित दायरे से बाहर ले जाती हैं। इतिहास बताता है कि जब बाहरी शक्तियां किसी क्षेत्रीय समीकरण में हस्तक्षेप करती हैं, तो परिणाम अक्सर उनके अनुमान से भिन्न और अधिक जटिल होते हैं। इराक और अफगानिस्तान के अनुभव अभी पुराने नहीं हुए हैं, जहां सैन्य जीत के बावजूद राजनीतिक स्थिरता और सामाजिक शांति स्थापित नहीं हो सकी। ऐसे में यह आशंका स्वाभाविक है कि ईरान पर हमला भी व्यापक अस्थिरता का द्वार खोल सकता है। ईरान ने भी अपने जवाब से स्पष्ट कर दिया है कि वह रक्षात्मक मुद्रा में सीमित नहीं रहेगा। क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाना और खाड़ी देशों तक अपनी मिसाइल क्षमता का प्रदर्शन करना इस संघर्ष को बहु–आयामी बना देता है। यदि खाड़ी राष्ट्र अपनी भूमि पर हुए हमलों को सीधी चुनौती मानते हुए युद्ध में उतरते हैं, तो यह टकराव कई सीमाओं को लांघ सकता है। ऐसी स्थिति में समुद्री मार्ग, ऊर्जा आपूर्ति और सामरिक जलडमरूमध्य सबसे पहले प्रभावित होंगे।

सबसे बड़ी चिंता होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर है। यह संकीर्ण समुद्री मार्ग वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की धुरी माना जाता है। विश्व के कुल तेल व्यापार का बड़ा हिस्सा इसी मार्ग से होकर गुजरता है। यदि यहां अवरोध उत्पन्न होता है या सैन्य टकराव के कारण यातायात बाधित होता है, तो वैश्विक बाजारों में उथल–पुथल तय है। तेल की कीमतों में उछाल केवल आंकड़ों का खेल नहीं होता; यह विकासशील अर्थव्यवस्थाओं की वित्तीय सेहत पर सीधा प्रहार है। भारत जैसे देशों के लिए यह स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा भाग आयात के माध्यम से पूरा करता है। यदि कच्चे तेल की कीमतों में तीव्र वृद्धि होती है, तो उसका प्रभाव महंगाई, राजकोषीय घाटे और मुद्रा विनिमय दर पर पड़ेगा। परिवहन लागत बढ़ेगी, औद्योगिक उत्पादन महंगा होगा और अंततः आम नागरिक की जेब पर सीधा बोझ पड़ेगा। ऊर्जा सुरक्षा आज केवल आर्थिक विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का प्रश्न बन चुकी है।

इस संघर्ष का प्रभाव केवल ऊर्जा बाजार तक सीमित नहीं है। हवाई क्षेत्र बंद होने लगे हैं, अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द की जा रही हैं और वैश्विक आपूर्ति शृंखलाएं बाधित हो रही हैं। पश्चिम एशिया में बसे लाखों प्रवासी, जिनमें बड़ी संख्या भारतीयों की भी है, असुरक्षा की भावना से घिरे हैं। यह केवल कूटनीतिक चुनौती नहीं, बल्कि मानवीय दायित्व का विषय है। संकट की घड़ी में अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना किसी भी राष्ट्र की प्राथमिक जिम्मेदारी होती है। राजनीतिक स्तर पर भी स्थिति जटिल होती जा रही है। बड़ी शक्तियां अलग–अलग खेमों में बंटती दिखाई दे रही हैं। यदि यह टकराव लंबा खिंचता है और वैश्विक शक्तियां खुलकर पक्ष लेने लगती हैं, तो यह संघर्ष बहुध्रुवीय युद्ध का रूप ले सकता है। भले ही 'विश्व युद्ध' शब्द का प्रयोग अभी अतिशयोक्ति प्रतीत हो, लेकिन वैश्विक अर्थव्यवस्था, सामरिक गठबंधनों और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं पर पड़ने वाला प्रभाव इसे विश्वव्यापी संकट में बदल सकता है। यह भी विचारणीय है कि क्या सैन्य कार्रवाई वास्तव में स्थायी समाधान दे सकती है। शक्ति प्रदर्शन से अस्थायी बढ़त मिल सकती है, परंतु दीर्घकालिक शांति संवाद, विश्वास और कूटनीतिक साहस से ही संभव है। परमाणु प्रसार की आशंकाएं वास्तविक हैं, परंतु उनका समाधान व्यापक युद्ध नहीं हो सकता। युद्ध अक्सर उन समस्याओं को और जटिल बना देता है, जिन्हें वह सुलझाने का दावा करता है। इस संदर्भ में भारत की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है। भारत ने ऐतिहासिक रूप से संतुलित विदेश नीति अपनाई है, जिसमें सभी पक्षों के साथ संवाद बनाए रखने पर जोर रहा है। वर्तमान परिस्थिति में भी भारत को दृढ़, संतुलित और दूरदर्शी कूटनीति का परिचय देना होगा। एक ओर ऊर्जा आपूर्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करनी होगी, वहीं दूसरी ओर क्षेत्र में शांति बहाली के प्रयासों का समर्थन करना होगा। भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा एक जिम्मेदार और संतुलित शक्ति की रही है; ऐसे समय में यह भूमिका और भी प्रासंगिक हो जाती है। इसके अतिरिक्त, वैश्विक समुदाय को भी आत्ममंथन की आवश्यकता है। क्या बार–बार सैन्य विकल्प चुनना दीर्घकालिक स्थिरता का मार्ग है? क्या सामरिक प्रतिस्पर्धा और भू–राजनीतिक वर्चस्व की होड़ में मानवता का हित कहीं पीछे छूटता जा रहा है? यदि बड़ी शक्तियां अपने हितों की रक्षा के लिए छोटे देशों को युद्धभूमि में बदलती रहेंगी, तो वैश्विक व्यवस्था की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगना स्वाभाविक है। आर्थिक दृष्टि से भी यह संघर्ष ऐसे समय में उभर रहा है, जब विश्व पहले से ही मंदी, महंगाई और आपूर्ति शृंखला के संकट से जूझ रहा है। महामारी के बाद उबरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए एक और बड़ा झटका विनाशकारी सिद्ध हो सकता है। विकासशील देशों के लिए कर्ज, मुद्रा अवमूल्यन और सामाजिक असंतोष की चुनौतियां और गहरी हो सकती हैं।

सामरिक दृष्टि से देखें तो पश्चिम एशिया का महत्व केवल तेल तक सीमित नहीं है। यह क्षेत्र वैश्विक व्यापार मार्गों, धार्मिक स्थलों और सांस्कृतिक संपर्कों का केंद्र है। यहां अस्थिरता का प्रभाव एशिया, यूरोप और अफ्रीका तक फैल सकता है। यही कारण है कि यहां का हर टकराव विश्व व्यवस्था को प्रभावित करता है।

अंततः प्रश्न यह नहीं है कि कौन सही है और कौन गलत। प्रश्न यह है कि क्या दुनिया एक और दीर्घकालिक युद्ध का जोखिम उठा सकती है? क्या शक्ति संतुलन की राजनीति मानव जीवन और वैश्विक स्थिरता से अधिक महत्वपूर्ण है? इतिहास ने बार–बार सिखाया है कि युद्ध का आरंभ करना आसान है, परंतु उसे नियंत्रित करना कठिन।

आज आवश्यकता संयम की है, संवाद की है और उस कूटनीतिक परिपक्वता की है, जो तात्कालिक लाभ से ऊपर उठकर दीर्घकालिक शांति को प्राथमिकता दे। यदि पश्चिम एशिया को पुनः युद्धभूमि बनाया गया, तो उसकी कीमत केवल वहां के लोग नहीं, पूरी दुनिया चुकाएगी। ऊर्जा बाजार से लेकर आम नागरिक की रसोई तक, हर स्तर पर इसका प्रभाव महसूस किया जाएगा।

युद्ध की आंधी में विवेक ही सबसे बड़ा हथियार होता है। यदि विश्व समुदाय ने समय रहते संतुलन, संवाद और सहयोग का मार्ग नहीं चुना, तो यह क्षेत्रीय युद्ध वैश्विक संकट में बदलते देर नहीं लगाएगा। और तब इतिहास एक बार फिर मानवता से वही प्रश्न पूछेगा–क्या हमने अतीत से कुछ सीखा?

विचार पिण्डो

रील्स नहीं, किताबों की रीडिंग बनाएं असली लीडिंग

राम कुमार शर्मा

मोबाइल स्क्रीन की चकाचौंध, रील्स की रफ्तार और सूचनाओं की बाढ़ के इस दौर में यदि कोई चीज़ अब भी चुपचाप हमारे भीतर रोशनी जलाए रखती है, तो वह है–पढ़ने की लौ। यह लौ न शोर करती है, न ट्रेंड बनाती है, न लाइक और शेयर गिनती है। फिर भी इसका प्रकाश सबसे स्थायी, सबसे गहरा और सबसे परिवर्तनकारी होता है। किताबों से हमारा नाता केवल शौक भर नहीं, बल्कि एक ऐसी आत्मिक डोर है जो पीढ़ियों को जोड़ती है, विचारों को जन्म देती है और व्यक्तित्व को आकार देती है।

किताबें केवल कागज पर छपे शब्द नहीं होतीं, वे अनुभवों का संचित ज्ञान हैं। वे समय की यात्रा हैं। एक पाठक जब पुस्तक खोलता है, तो वह अपने सीमित जीवन से निकलकर अनगिनत जीवन जीने लगता है। वह इतिहास के पन्नों में उतरता है, भविष्य की कल्पनाओं में उड़ता है और वर्तमान की जटिलताओं को समझने का साहस पाता है। यही पढ़ने की शक्ति है–यह हमें भीतर से समृद्ध करती है डिजिटल युग ने जानकारी को आसान और सुलभ बनाया है, परंतु जानकारी और ज्ञान में अंतर होता है। सूचना क्षणिक होती है, ज्ञान स्थायी। सोशल मीडिया की पोस्टें हमें त्वरित प्रतिक्रिया देना सिखाती हैं, जबकि किताबें हमें ठहरकर सोचने की आदत डालती हैं। पढ़ना धैर्य सिखाता है, एकाग्रता बढ़ाता है और मन को अनुशासित करता है। यह मानसिक व्यायाम है, जो मस्तिष्क की मांसपेशियों को मजबूत बनाता है।आज बच्चों के हाथ में कहानी की किताब कम और मोबाइल अधिक दिखाई देता है। माता–पिता भी अक्सर व्यस्तता के कारण बच्चों को डिजिटल उपकरण थमा देते हैं। परिणामस्वरूप कल्पनाशक्ति सीमित होने लगती है। जबकि एक अच्छी कहानी बच्चे के मन में चित्र रचती है, पात्रों से भावनात्मक जुड़ाव बनाती है और संवेदनशीलता का विकास करती है। पुस्तकें केवल ज्ञान नहीं देतीं, वे चरित्र निर्माण भी करती हैं। पढ़ने की आदत व्यक्ति को आत्मसंवाद का अवसर देती है। जब हम पढ़ते हैं, तो दरअसल हम स्वयं से संवाद कर रहे होते हैं। किसी लेखक का विचार हमारे भीतर प्रश्न जगाता है, असहमति पैदा करता है या नई दृष्टि देता है। यह प्रक्रिया हमारे सोचने के ढंग को परिष्कृत करती है। यही कारण है कि समाज में परिवर्तन की हर बड़ी लहर के पीछे पुस्तकों की भूमिका रही है। विचारों की क्रांतियां तलवार से नहीं, कलम से जन्म लेती हैं।

किताबों का महत्व केवल बौद्धिक विकास तक सीमित नहीं है। वे भावनात्मक संतुलन भी प्रदान करती हैं। तनाव और अवसाद के इस युग में पढ़ना एक प्रकार का उपचार है। जब हम किसी उपन्यास में डूबते हैं, तो अपने दुखों से थोड़ी दूरी बना लेते हैं। प्रेरक साहित्य हमें आशा देता है, जीवनी हमें संघर्ष का साहस देती है और कविता हमें संवेदनशील बनाती है। यह एक ऐसी शरण है, जहां मन को सुकून मिलता है।

समाज में पढ़ने की संस्कृति कमजोर पड़ती है, तो संवाद की गुणवत्ता भी गिरती है। तर्क की जगह आरोप, विमर्श की जगह विवाद और विचार की जगह शोर हावी हो जाता है। पुस्तकें हमें बहस करना सिखाती हैं, परंतु सभ्य तरीके से। वे हमें असहमति का सम्मान करना सिखाती हैं। लोकतंत्र की मजबूती भी पढ़े–लिखे और जागरूक नागरिकों पर निर्भर करती है। इसलिए पढ़ने की लौ केवल व्यक्तिगत नहीं, सामाजिक आवश्यकता भी है। यह भी सच है कि आज समय की कमी एक बड़ी चुनौती है। परंतु प्रश्न यह है कि क्या वास्तव में समय नहीं है, या प्राथमिकताएं बदल गई हैं? यदि प्रतिदिन आधा घंटा भी पढ़ने के लिए निकाल लिया जाए, तो वर्ष भर में दर्जनों पुस्तकें पढ़ी जा सकती हैं। यह निवेश धन का नहीं, समय का है–और इसका प्रतिफल जीवन भर मिलता है। पुस्तकालयों की घटती संख्या और किताबों की बढ़ती कीमतें भी चिंता का विषय हैं। फिर भी ई–पुस्तकें और ऑडियोबुक्स ने पढ़ने के नए द्वार खोले हैं। माध्यम चाहे जो हो, मूल बात पढ़ने की आदत है। यदि परिवारों में 'रीडिंग टाइम' की परंपरा बने, स्कूलों में पुस्तक चर्चा को बढ़ावा मिले और समाज में लेखन–पठन को प्रतिष्ठा मिले, तो यह लौ और प्रज्वलित हो सकती है। किताबों से नाता अटूट रखने का अर्थ यह नहीं कि हम तकनीक से दूरी बना लें। बल्कि संतुलन आवश्यक है। तकनीक को साधन बनाएं, उद्देश्य नहीं। डिजिटल माध्यम से पुस्तकें खोजें, पढ़ें, चर्चा करें–परंतु गहराई को न खोएं। पढ़ना एक धीमी प्रक्रिया है, और इसी धीमेपन में उसकी ताकत छिपी है।

अंततः पढ़ने की लौ एक व्यक्तिगत क्रांति है। यह भीतर से शुरू होती है और बाहर तक असर डालती है। एक पढ़ने वाला व्यक्ति अधिक संवेदनशील, अधिक जागरूक और अधिक विवेकशील होता है। वह अफवाहों से कम प्रभावित होता है, निर्णय सोच–समझकर लेता है और समाज में सकारात्मक योगदान देता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम फिर से किताबों से दोस्ती करें। बच्चों को कहानियां सुनाएं, युवाओं को प्रेरक साहित्य से जोड़ें और स्वयं भी पढ़ने की आदत विकसित करें। क्योंकि जब घरों में किताबें सजती हैं, तो केवल अलमारियां नहीं भरतीं–विचार समृद्ध होते हैं, संवाद गहरे होते हैं और भविष्य उज्ज्वल होता है।

स्क्रीन की रोशनी आंखों को चमक देती है, पर किताबों की लौ मन को प्रकाश देती है। और जब मन प्रकाशित होता है, तो समाज स्वयं उजाला महसूस करता है। इसलिए पढ़ने की इस लौ को बुझने न दें–इसे पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ाएं, क्योंकि यही वह रोशनी है जो समय की आंधियों में भी स्थिर रहती है।

आईसीसी टी 20 वर्ल्ड कप 2026

सेमीफाइनल में बारिश हुई तो दोनों टीमों को खेलने होंगे 10–10 ओवर

मैच रद्द होने की स्थिति में सुपर–8 चरण में शीर्ष पर रहने वाली टीमों को फाइनल में मिलेगा प्रवेश

यूनिक समय, नई दिल्ली। टी 20 वर्ल्ड कप 2026 अब अपने निर्णायक दौर में पहुंच चुका है। भारत, इंग्लैंड, साउथ अफ्रीका और न्यूजीलैंड की टीमें सेमीफाइनल में जगह बना चुकी हैं। अगर सेमीफाइनल मुकाबले के दौरान बारिश होती है तो दोनों टीमों को 10-10 ओवर खेलने होंगे।

आईसीसी के नियमों के अनुसार, किसी भी सेमीफाइनल मैच का आधिकारिक परिणाम निकालने के लिए दोनों टीमों का कम से कम 10-10 ओवर खेलना अनिवार्य है। यदि बारिश या खराब मौसम की वजह से खेल बाधित होता है तो ओवर घटाए जा सकते हैं, लेकिन 10 ओवर से कम का मैच होने पर परिणाम घोषित नहीं किया जा सकता। ऐसी स्थिति में मैच को रिजर्व डे पर शिफ्ट किया जाएगा।

आईसीसी ने दोनों सेमीफाइनल मुकाबलों के लिए रिजर्व डे रखा है। अगर तय दिन पर 10 ओवर का खेल संभव नहीं हो पाता, तो मुकाबला अगले दिन पूरा कराया जाएगा। हालांकि, यदि रिजर्व डे पर भी 10-10 ओवर का खेल नहीं हो पाता, तो मैच रद्द घोषित कर दिया जाएगा। अगर मैच रद्द होता है, तो सुपर–8 चरण में अपने–अपने ग्रुप में शीर्ष पर रहने वाली टीम को फाइनल में प्रवेश मिलेगा। ऐसे में साउथ अफ्रीका और इंग्लैंड को फायदा होगा, क्योंकि वे अपने ग्रुप में टॉपर रही थीं। वहीं भारत और न्यूजीलैंड को नुकसान उठाना पड़ सकता है। फैंस और खिलाड़ी यही दुआ करेंगे कि मौसम साफ रहे और दोनों सेमीफाइनल पूरे रोमांच के साथ संपन्न हों।

ग्लेन मैक्ग्रा की चेतावनी : ऑस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाजी पर मंडरा रहा संकट

यूनिक समय, नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम इस समय बदलाव के दौर से गुजर रही है। टी 20 वर्ल्ड कप 2026 में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद टीम के भविष्य को लेकर सवाल उठने लगे हैं। ग्रुप स्टेज से बाहर होने के बाद अब चयनकर्ताओं की नजर नई पीढ़ी के खिलाड़ियों पर है। इसी बीच पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज ग्लेन मैक्ग्रा ने टीम की तेज गेंदबाजी को लेकर चिंता जताई है।

चेन्नई स्थित एमआरएफ पेस फाउंडेशन में बातचीत के दौरान मैक्ग्रा ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के सामने सबसे बड़ी चुनौती अगली पीढ़ी के तेज गेंदबाज तैयार करना है। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ हालिया सीरीज का जिक्र करते हुए कहा कि स्कॉट बोलैंड, माइकल नेसर और झाय रिचर्डसन जैसे गेंदबाज अनुभवी जरूर हैं, लेकिन वे भविष्य की नई पीढ़ी का प्रतिनिधित्व नहीं करते। मैक्ग्रा ने माना कि पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड की तिकड़ी ने वर्षों तक ऑस्ट्रेलियाई आक्रमण की कमान संभाली है। ऐसे खिलाड़ियों की जगह भरना आसान नहीं होगा।

एएफसी महिला एशियाई कप : राष्ट्रगान के दौरान भावुक दिखीं खिलाड़ी

दक्षिण कोरिया ने उतरी ईरानी टीम को 3–0 से दी शिकस्त

कोच ने राजनीति पर साधी चुप्पी, विश्व कप पर फोकस

यूनिक समय, नई दिल्ली। महिला एशियाई कप के मौजूदा संस्करण में ईरान की टीम को अपने पहले ही मुकाबले में बड़ी हार का सामना करना पड़ा। जहरा घनबारी की अगुआई में उतरी ईरानी टीम को दक्षिण कोरिया ने 3-0 से शिकस्त दी। यह मैच ऐसे समय में खेला गया जब ईरान अपने देश में चल रहे तनाव और हमलों की खबरों के कारण वैश्विक सुर्खियों में है। इन परिस्थितियों का असर खिलाड़ियों के मनोबल पर भी साफ दिखाई दिया।

मुकाबले से पहले राष्ट्रगान के समय ईरानी खिलाड़ियों के चेहरे पर मायूसी और भावुकता साफ झलक रही थी। हालांकि गोल्ड कोस्ट स्टेडियम में मौजूद समर्थकों का अभिवादन करते हुए कुछ खिलाड़ियों ने मुस्कुराने की कोशिश की, लेकिन माहौल में गंभीरता बनी रही। मैदान पर उतरते ही दक्षिण कोरिया ने तेज शुरुआत की और आक्रामक रणनीति अपनाते हुए ईरान की रक्षा पंक्ति पर लगातार दबाव बनाया। परिणामस्वरूप कोरिया ने तीन गोल दागकर मैच अपने नाम कर लिया।

मैच से पहले ईरान की मुख्य कोच मरजियाह जाफरी से देश के हालात और सर्वोच्च नेता अली खामेनेई को लेकर सवाल किए गए। हालांकि उन्होंने किसी भी राजनीतिक टिप्पणी से इनकार कर दिया। जाफरी ने कहा कि टीम का पूरा फोकस सिर्फ टूर्नामेंट पर है और खिलाड़ी मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका लक्ष्य आगामी महिला विश्व कप के लिए क्वालीफाई करना है।

दक्षिण कोरिया, जो पिछले संस्करण में उपविजेता रही थी, ने अपने अनुभव और संतुलित खेल का प्रदर्शन किया। दूसरी ओर, ईरान के लिए यह हार एक चेतावनी की तरह है। टीम को अगले साल ब्राजील में होने वाले महिला विश्व कप में जगह बनाने के लिए इस टूर्नामेंट में कम से कम क्वार्टर फाइनल तक पहुंचना होगा। अब ईरान का अगला मुकाबला मेजबान ऑस्ट्रेलिया से है, जो उसके अभियान की दिशा तय करेगा।

औरत : यहीं से शुरू हुआ बॉलीवुड होली गानों का रंगीन सफर

यूनिक समय, नई दिल्ली। आज होली का जिक्र होते ही 'रंग बरसे' और 'बलम पिचकारी' जैसे गाने याद आते हैं, लेकिन हिंदी सिनेमा में होली गीतों की परंपरा आजादी से पहले शुरू हो चुकी थी। साल 1940 में रिलीज हुई फिल्म 'औरत' को बॉलीवुड के पहले होली गीत का श्रेय दिया जाता है। इस फिल्म का निर्देशन दिग्गज फिल्ममेकर महबूब खान ने किया था, जिन्होंने बाद में 'मदर इंडिया' जैसी क्लासिक फिल्म बनाई।

दिलचस्प बात यह है कि 'औरत' एक ब्लैक एंड व्हाइट फिल्म थी, फिर भी इसमें होली का जश्न बेहद जीवंत अंदाज में दिखाया गया। फिल्म में 'आज होली खेलेंगे सजन के संग' को हिंदी सिनेमा का पहला होली सॉन्ग माना जाता है। इसे मशहूर संगीतकार अनिल विस्वास ने संगीत दिया और अपनी आवाज भी दी। फिल्म का दूसरा गीत 'जमुना तट पर होली खेलत श्याम' भी काफी लोकप्रिय हुआ। इन गीतों ने साबित किया कि रंगों का उत्सव पर्दे पर भी उतना ही असरदार हो सकता है।

हैवान : सस्पेंस और थ्रिल से भरपूर होगी नई पेशकश

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड में जब सस्पेंस और कॉमेडी के संगम की बात होती है तो प्रियदर्शन और अक्षय कुमार की जोड़ी का नाम जरूर लिया जाता है। अब यह जोड़ी एक बार फिर फिल्म 'हैवान' के साथ दर्शकों के बीच आ रही है। इस बार कहानी कॉमेडी नहीं, बल्कि रहस्य और रोमांच से भरपूर होगी। फिल्म में सेफअली खान भी अहम भूमिका में नजर आएंगे।

'हैवान' की कहानी एक रिटायर्ड जज के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसने अपने कार्यकाल में एक खतरनाक अपराधी को सजा दिलाई थी। जेल से बाहर आने के बाद वही अपराधी बदले की आग में जलता है और जज की रहस्यमयी हत्या हो जाती है। शक की सुई एक अंधे लिफ्टमैन पर जाती है, जिस पर जज को अटूट भरोसा था। जज ने अपनी बेटी की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी उसी को सौंपी थी।

कहानी में बड़ा ट्विस्ट यह है कि यह नेत्रहीन शख्स असली कातिल को पहचानता है, लेकिन सबूतों के अभाव में बेबस है। अब उसे खुद को निर्दोष साबित करने के साथ–साथ जज की बेटी को भी बचाना है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक अक्षय कुमार इस फिल्म में निगेटिव शेड में नजर आ सकते हैं, जो फैंस के लिए बड़ा सरप्राइज होगा। वहीं सैफ अली खान चुनौतीपूर्ण भूमिका निभाते दिखेंगे। यह फिल्म 2016 की मलयालम हिट का हिंदी रीमेक है, जिसे साल की बहुप्रतीक्षित थ्रिलर माना जा रहा है।

ग्लैमर से वैराग्य तक: बरखा मदान बनीं बौद्ध भिक्षु

दीक्षा लेने के बाद ग्यालटेन समतेन नाम रखा गया

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड की चमक-दमक छोड़ आध्यात्मिक जीवन अपनाने वाली बरखा मदान की कहानी किसी फिल्मी पटकथा से कम नहीं है। 1994 की मिस इंडिया प्रतियोगिता में उन्होंने सुष्मिता सेन और ऐश्वर्या राय जैसी खूबसूरत प्रतिभागियों के साथ मंच साझा किया और 'मिस टूरिज्म इंडिया' का खिताब जीता। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उन्होंने भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए पहचान बनाई।

फिल्मी करियर की शुरुआत उन्होंने 1996 में आई फिल्म 'खिलाड़ियों का खिलाड़ी' से की, जिसमें अक्षय कुमार और रेखा जैसे सितारे थे। इसके बाद 2003 की हॉरर फिल्म 'भूत' में उनका किरदार काफी चर्चा में रहा। छोटे पर्दे पर भी उन्होंने 'न्याय', 'सात फेरे' और '1857 क्रांति' जैसे धारावाहिकों में काम कर अपनी अभिनय क्षमता साबित की। सफलता, शोहरत और ग्लैमर के बावजूद उनके मन में एक खालीपन था, जो धीरे–धीरे गहराता गया। जीवन के अर्थ की तलाश उन्हें बौद्ध दर्शन की ओर ले गई।

तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा के विचारों से प्रभावित होकर उन्होंने 2012 में बड़ा फैसला लिया और अभिनय की दुनिया को अलविदा कह दिया। दीक्षा लेने के बाद उनका नाम ग्यालटेन समतेन रखा गया। आज वह हिमालय की शांत वादियों में संन्यासिनी का जीवन जी रही हैं। सादगी, ध्यान और सेवा उनके जीवन का हिस्सा बन चुके हैं। सोशल मीडिया के माध्यम से वह लोगों को आंतरिक शांति और आध्यात्मिक जागरूकता का संदेश देती हैं।

विवेक मुशरान : चॉकलेटी हीरो से बदले लुक तक का सफर

यूनिक समय, नई दिल्ली। 90 के दशक की शुरुआत में फिल्म सौदागर से डेब्यू करने वाले विवेक मुशरान रातों–रात स्टार बन गए थे।

सुभाष घई निर्देशित इस फिल्म में उन्होंने दिलीप कुमार और राजकुमार जैसे दिग्गजों के साथ स्क्रीन साझा की। उनकी मासूमियत और चॉकलेटी लुक ने दर्शकों का दिल जीत लिया। उस दौर में उनकी तुलना देव आन्नद से होने लगी थी, वहीं कई लोग उन्हें शाहरुख खान और आमिर खान के समकक्ष मानने लगे थे।

हालांकि शुरुआती सफलता के बाद उनका फिल्मी करियर अपेक्षित उंन्चाइयों तक नहीं पहुंच पाया। बड़े पर्दे पर सफलता कम मिलने के बाद उन्होंने टीवी और वेब सीरीज का रुख किया। 'सोन परी' जैसे शोज और 'तमाशा' व 'वीरे दी वेडिंग' जैसी फिल्मों में सहायक भूमिकाओं से उन्होंने वापसी की। आज 56 साल की उम्र में विवेक का लुक काफी बदल चुका है। वह अब भी एक्टिंग में सक्रिय हैं, भले ही चॉकलेटी हीरो वाली छवि अतीत बन चुकी हो।

विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना की सराहनीय पहल

यूनिक समय, नई दिल्ली। शादी के बाद साउथ इंडस्ट्री की चर्चित जोड़ी विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना ने एक खास पहल की है। दोनों तुम्मनपेट (तेलंगाना) गांव पहुंचे, जहां पूजा के बाद उन्होंने स्कूली बच्चों के लिए छात्रवृत्ति योजना की घोषणा की। कपल ने तालुक के 44 सरकारी स्कूलों के कक्षा 9 और 10 के छात्रों को आर्थिक सहायता देने का फैसला किया है, ताकि वे अपनी पढ़ाई बिना रुकावट जारी रख सकें। इस घोषणा से गांव में खुशी की लहर दौड़ गई।

श्रद्धा कपूर : एक्टिंग और सिंगिंग की ऑलराउंडर स्टार

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा कपूर तीन मार्च को अपना जन्मदिन मना रही हैं। मशहूर अभिनेता शक्ति कपूर की बेटी श्रद्धा ने फिल्म तीन पत्ती से डेब्यू किया, लेकिन उन्हें असली पहचान आशिकी-2 से मिली। इस फिल्म की सफलता के बाद वह रातों–रात स्टार बन गईं और दर्शकों की पसंदीदा हीरोइन बनकर उभरीं। श्रद्धा कपूर सिर्फ बेहतरीन अभिनेत्री ही नहीं, बल्कि प्रशिक्षित सिंगर भी हैं। इसके अलावा 'सब तेरा' और 'दो जहां' जैसे गानों में भी अपनी आवाज दी। उनका संगीत से गहरा नाता है-उनके नाना पंडित पंढरीनाथ कोल्हापुरी एक प्रसिद्ध शास्त्रीय गायक थे, जिनका संबंध लता मंगेशकर और आशा आशा भोसले से रहा। 'एक विलेन', स्त्री और 'स्त्री 2' जैसी हिट फिल्मों ने उन्हें टॉप एक्ट्रेस की कतार में खड़ा कर दिया। रोमांस, थ्रिलर और हॉरर-कॉमेडी जैसे अलग–अलग जॉनर में अपनी छाप छोड़कर श्रद्धा ने साबित किया कि वह टैलेंट की खान हैं।

होली की सुबह भीषण सड़क हादसा

हादसे में छह लोगों की मौत, सात घायल

यूनिक समय, हाथरस। होली के दिन मंगलवार प्रातः एक दर्दनाक सड़क हादसे ने खुशियों को मातम में बदल दिया। थाना सादाबाद क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेसवे के माइलस्टोन 141 के पास सुबह करीब 4:15 बजे एक डबल डेकर बस ने इको कार को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार इको कार दिल्ली से राजस्थान के धौलपुर जा रही थी। उसी दौरान नोएडा से गोरखपुर जा रही एक डबल डेकर बस ने कार को पीछे से टक्कर मार दी। कार में कुल 13 लोग सवार थे। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस और राहत टीम मौके पर पहुंची और घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया। हाथरस के अपर पुलिस अधीक्षक रामानंद कुशवाहा ने बताया कि इलाज के दौरान डॉक्टरों ने छह लोगों को मृत घोषित कर दिया, जबकि अन्य घायलों का उपचार जारी है। कार चालक सुरक्षित बताया जा रहा है। इस घटना से

इको कार सवार लोग दिल्ली से राजस्थान के धौलपुर जा रहे थे

मृतकों के परिवारों में होली की खुशियां मातम में बदल गईं। यमुना एक्सप्रेसवे पर तेज रफ्तार और लापरवाही के चलते अक्सर ऐसे हादसे सामने आते रहते हैं। प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि सड़क सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन और वाहन चालकों की सतर्कता ही ऐसे हादसों को रोकने का एकमात्र उपाय है।

12वीं की छात्रा की घर में घुसकर गोली मारकर हत्या

यूनिक समय, बस्ती। जिले के कलवारी थाना क्षेत्र के बैडारी एहतमाली गांव में एक सनसनीखेज वारदात ने पूरे इलाके को दहला दिया। एक सिरफिरे युवक ने घर में घुसकर 12वीं की छात्रा की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना सोमवार रात करीब एक बजे की बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार मृतिका अपने भाई के साथ बरामदे में सो रही थी। तभी गांव का ही आरोपी युवक अवैध असलहे के साथ वहां पहुंचा और सो रही छात्रा पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। पहली गोली सिर में और दूसरी सीने में लगी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। शोर सुनकर मां मौके पर पहुंची तो आरोपी ने उन पर भी फायरिंग की, हालांकि गोली मिस हो गई। वारदात को अंजाम देकर आरोपी फरार हो गया। पुलिस जांच में

सामने आया कि आरोपी ने पहले छात्रा को बहला–फुसलाकर संबंध बनाए और उसका वीडियो व फोटो बना लिया था। जब छात्रा ने उससे दूरी बनानी शुरू की तो आरोपी ने कथित तौर पर तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल कर दीं। इस मामले में पहले से ही आईटी एक्ट और दुष्कर्म की धाराओं में मुकदमा दर्ज था और आरोपी फरार चल रहा था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और छात्रा को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए कई टीमें गठित की हैं।

शंकराचार्य पर छिड़ी जंग : सपा पर साधा निशाना

'अखिलेश ढोंगी', हम शंकराचार्य का स्वागत करेंगे : केशव प्रसाद मौर्य

यूनिक समय, वाराणसी। वाराणसी दौरे पर पहुंचे उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोला। सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि जगद्गुरु शंकराचार्य हिंदू धर्म में सर्वोच्च स्थान रखते हैं और "भगवान समान" हैं। वह जहां भी जाएंगे, रामभक्त होने के नाते उनका स्वागत किया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि 'अखिलेश यादव ढोंगी' हैं, हम शंकराचार्य का स्वागत करेंगे।

केशव मौर्य ने आरोप लगाया कि शंकराचार्य को समर्थन देना अखिलेश यादव का राजनीतिक पैंतरा है और सपा शासनकाल में रामभक्तों व शिवभक्तों का दमन हुआ। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कानून का राज है और किसी की हिम्मत नहीं कि गो-हत्या कर सके। डिप्टी सीएम ने संस्कृत विश्वविद्यालय में आयोजित 11 दिवसीय सरस मेले का समापन भी किया।

इस दौरान उन्होंने बीमा सखियों और लखपति महिलाओं को सम्मानित किया तथा 703 स्वयं सहायता समूहों को सामुदायिक निवेश निधि व 20 समूहों को रिवॉल्विंग फंड के तहत करीब 10.60 करोड़ रुपये के चेक वितरित किए। कार्यक्रम में विभिन्न जिलों की महिलाओं ने अपनी सफलता की कहानियां साझा कीं। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है और योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जाएगा।

दिल्ली–देहरादून हाईवे पर युवकों की खतरनाक स्टंटबाजी, वीडियो वायरल

यूनिक समय, मेरठ । दिल्ली-देहरादून हाईवे पर चलती कारों पर युवकों द्वारा खतरनाक स्टंट करने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। मामला कंकरखेड़ा थाना क्षेत्र का बताया जा रहा है। वीडियो में छह से अधिक कारें काफिले के रूप में दौड़ती दिख रही हैं, जिनकी खिड़कियों और सनरूफ से युवक बाहर लटके हुए हैं। कुछ युवक तो कारों की छत और बोनट पर खड़े नजर आ रहे हैं।हाईवे पर दिन–रात भारी यातायात रहता है। ऐसे में इस तरह की स्टंटबाजी न केवल युवकों की बल्कि आम यात्रियों की जान भी खतरे में डाल सकती है। बताया

जा रहा है कि सोशल मीडिया पर रील बनाने और रौब जमाने के लिए यह जोखिम भरा कदम उठाया गया। पुलिस ने वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए वाहनों के नंबर के आधार पर युवकों की पहचान कर ली है। एसपी सिटी के अनुसार संबंधित वाहनों के ऑनलाइन चालान के साथ वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

कोडीनयुक्त कफ सिरप मामले में विशाल सिंह सिसोदिया गिरफ्तार

यूनिक समय, कानपुर। कोडीनयुक्त कफ सिरप के अवैध कारोबार के मामले में क्राइम ब्रांच और एसआईटी ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए आरोपी विशाल सिंह सिसोदिया को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस लंबे समय से उसकी तलाश कर रही थी। उसके खिलाफ हनुमंत विहार थाने में गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज है। पुलिस के अनुसार, यह गिरफ्तारी पूरे सिंडिकेट के खिलाफ बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है। इससे पहले इसी मामले में अग्रवाल ब्रदर्स के संचालक विनोद अग्रवाल को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। पूछताछ के

लंबे समय से उसकी तलाश कर रही थी पुलिस

दौरान विनोद अग्रवाल ने विशाल सिसोदिया की इस अवैध नेटवर्क में सक्रिय भूमिका की जानकारी दी थी, जिसके बाद से पुलिस उसकी तलाश में जुटी थी। जांच एजेंसियों का मानना है कि इस गिरोह के तार कई मेडिकल स्टोरों और फर्मों से जुड़े हो सकते हैं। पुलिस अब गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ कर नेटवर्क के अन्य सदस्यों और सप्लाई चेन की जानकारी जुटा रही है।

लोनी में पारिवारिक विवाद बना जानलेवा

जीजा ने साले की कैंची से वार कर की हत्या

यूनिक समय, गाजियाबाद। दिल्ली से सटे लोनी इलाके में एक दर्दनाक वारदात सामने आई है। गाजियाबाद लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र की विकास कुंज कॉलोनी में पारिवारिक विवाद के चलते जीजा ने अपने साले की कैंची से वार कर हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। झगड़े के बाद महिला ने अपने भाई को ससुराल बुला लिया। इसी दौरान कहासुनी बढ़ गई और जीजा ने गुस्से में आकर साले पर कैंची से ताबड़तोड़ वार कर दिए। गंभीर रूप से घायल युवक की मौके पर ही मौत हो गई।

घटना के सभी पहलुओं की जांच में जुटी पुलिस

घटना के बाद परिवार ने पुलिस को सूचना दिए बिना अंतिम संस्कार की तैयारी शुरू कर दी थी। हालांकि किसी तरह मामले की जानकारी पुलिस तक पहुंची। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि घटना के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है और दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जिला अस्पताल में मरीज की मौत पर दो घंटे हंगामा, जांच टीम गठित

यूनिक समय, वाराणसी। वाराणसी के पांडेयपुर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल में सुबह एक मरीज की मौत के बाद परिजनों ने करीब दो घंटे तक हंगामा किया। टकटकपुर निवासी 20 वर्षीय गुड़िया चौहान को टीबी की शिकायत पर एक दिन पहले एनआरसी वार्ड में भर्ती कराया गया था। परिजनों का आरोप है कि गुड़िया की तबीयत अचानक बिगड़ने लगी। उन्होंने वार्ड में तैनात स्टाफ को कई बार सूचना दी। उनका कहना है कि इलाज में देरी के कारण गुड़िया की मौत हो गई। परिजनों ने वार्ड में तैनात नर्स पर लापरवाही का आरोप लगाया है। हंगामे की सूचना मिलते ही मुख्य चिकित्सा अधीक्षक और अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने परिजनों को निष्पक्ष जांच का आश्वासन देकर स्थिति को शांत कराया।

प्रदेश में होली पर हाई अलर्ट

अस्पताल, मेट्रो, बिजली और जलापूर्ति के विशेष इंतजाम

यूनिक समय, लखनऊ। होली के त्योहार को देखते हुए प्रदेश सरकार ने राजधानी लखनऊ सहित पूरे प्रदेश में व्यापक तैयारियां की हैं। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सरकारी अस्पतालों को अलर्ट मोड पर रखा गया है। कुल 190 बेड आरक्षित किए गए हैं और इमरजेंसी सेवाओं के लिए डॉक्टरों की विशेष ड्यूटी लगाई गई है।

किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू), बलरामपुर, सिविल, लोकबंधु, राम सागर मिश्र और लोहिया संस्थान समेत प्रमुख अस्पतालों में इमरजेंसी सेवाएं 24 घंटे चालू रहेंगी। मंगलवार को ओपीडी हाफ डे (दोपहर 12 बजे तक) चलेगी, जबकि बुधवार को पूरी तरह बंद रहेगी। हालांकि इमरजेंसी, पैथोलॉजी और रेडियोलॉजी सेवाएं जरूरत के अनुसार उपलब्ध रहेंगी। 108 और 102 एंबुलेंस सेवाएं भी हाई अलर्ट पर रहेंगी और दुर्घटना बहुल क्षेत्रों में तैनात रहेंगी।

होली के दिन मेट्रो सेवाओं में भी बदलाव किया गया है। लखनऊ मेट्रो दोपहर 2:30 बजे से रात 10:30 बजे तक संचालित होगी। अगले दिन से मेट्रो सामान्य समय पर चलेगी। बिजली आपूर्ति बाधित न हो, इसके लिए मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड ने कंट्रोल रूम और हेल्पडेस्क सक्रिय किए हैं। अधिकारियों की शिफ्टवार ड्यूटी

आपात स्थिति से निपटने को सरकारी अस्पताल अलर्ट मोड पर

लगाई गई है, ताकि किसी भी शिकायत का तुरंत समाधान किया जा सके। जलकल विभाग ने भी विशेष व्यवस्था की है। होली के दिन सुबह, दोपहर और शाम तीन बार जलापूर्ति की जाएगी। जरूरत पड़ने पर टैंकरों की व्यवस्था भी रहेगी। नगर निगम की टीमें सफाई, सीवर और मार्ग प्रकाश व्यवस्था पर नजर रखेंगी। प्रशासन का उद्देश्य है कि त्योहार शांतिपूर्ण और सुरक्षित तरीके से संपन्न हो तथा नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

सड़क हादसे में दो दोस्तों की मौत, तीसरा गंभीर

यूनिक समय, अलीगढ़। मंगलवार को एक सड़क हादसा हो गया। थाना मडराक क्षेत्र के आगरा रोड स्थित शाहपुर गांव के पास अज्ञात वाहन ने बाइक सवार तीन दोस्तों को टक्कर मार दी। हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीसरा गंभीर रूप से घायल है।

तीनों युवक थाना सासनीगेट इलाके के पला होली चौक के निवासी थे। छोटे (22), भूपेंद्र (23) और नरेश (25) आपस में घनिष्ठ मित्र थे। तीनों युवक हाथरस के कस्बा सासनी में रिश्तेदारी में होली मनाने जा रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे के बाद पुलिस तीनों को मलखान सिंह जिला अस्पताल लेकर पहुंची, जहां

तीनों युवक सासनी में रिश्तेदारी में होली खेलने जा रहे थे

डॉक्टरों ने छोटे और भूपेंद्र को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल नरेश को जेएन मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है, जहां उसका इलाज जारी है। मृतक छोटे की 20 फरवरी को ही शादी हुई थी। शादी के महज 11 दिन बाद उसकी मौत की खबर से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। पत्नी और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। एक ही मोहल्ले के दो युवकों की मौत से पूरे इलाके में शोक की लहर है। पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी है।

सार संक्षेप

सोने के लालच में दोस्त बने कातिल

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली के द्वारका इलाके में 48 वर्षीय अनुरूप गुप्ता की दोस्तों ने हत्या कर दी। आरोपियों को उसके हाथों की सोने की अंगूठियां और चेन का लालच था। उन्होंने कमरे में बुलाकर हत्या की, शव के टुकड़े कर बोरे में भरकर वृंदावन के पास यमुना में फेंक दिया। मोबाइल ऑन रखकर जिंदा होने का भ्रम पैदा किया। दिल्ली पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर शव बरामद किया।

जम्मू और कश्मीर में शांति की अपील

यूनिक समय, नई दिल्ली। उमर अब्दुल्ला ने ईरान-इजराइल संघर्ष पर ईरानी नेता की हत्या की निंदा करते हुए कहा कि सत्ता परिवर्तन बाहरी बमबारी से तय नहीं हो सकता। उन्होंने घाटी के लोगों से माहौल न बिगाड़ने और कानून हाथ में न लेने की अपील की। वहीं उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सुरक्षा हालात की समीक्षा के लिए उच्चस्तरीय बैठक की।

मिडिल ईस्ट तनाव : तीन भारतीय नाविकों की मौत, एक घायल

यूनिक समय, नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में बढ़ते सैन्य संघर्ष के बीच डीजीएस ने पुष्टि की है कि विदेशी झंडे वाले जहाजों पर तैनात तीन भारतीय नाविकों की मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल है। क्षेत्र में चार घटनाएं दर्ज की गईं। इस बीच अबू धाबी से लौटे भारतीय यात्रियों ने तनावपूर्ण हालात का जिक्र किया और सुरक्षित वापसी पर भारत सरकार व एयरलाइन का आभार जताया।

दिल्ली में ट्यूलिप उत्सव : "अब कश्मीर नहीं, राजधानी आइए"

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कनॉट प्लेस के सेंट्रल पार्क में नई दिल्ली नगरपालिका परिषद के दो दिवसीय फूल महोत्सव का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि ट्यूलिप देखने अब कश्मीर जाने की जरूरत नहीं, दिल्ली में ही प्रचुर मात्रा में फूल खिले हैं। महोत्सव में थीम आधारित पुष्प सज्जाएं, सेल्फी पॉइंट्स और शहरी बागवानी प्रदर्शनी आकर्षण का केंद्र हैं।

डिफेंस कारोबारी को मिली धमकी, स्पेशल सेल जांच में जुटी

यूनिक समय, नई दिल्ली। डिफेंस कारोबारी साहिल लूथरा को पुर्तगाल और जर्मनी से कॉल के जरिए जान से मारने की धमकी मिली है। आरोप है कि 10 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी गई। दिल्ली पुलिस ने मामला स्पेशल सेल को सौंप दिया है। जांच में अंतरराष्ट्रीय कनेक्शन, अमृतसर फायरिंग और कथित साइबर हमले के एंगल की भी पड़ताल की जा रही है।

पाकिस्तान को सता रहा भारत के 'दूसरे हमले' का डर

शांति के हित में युद्ध समाधान नहीं है : आसिफ अली जरदारी

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद पाकिस्तान में एक बार फिर संभावित सैन्य कार्रवाई को लेकर आशंकाएं बढ़ गई हैं। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए दावा किया कि नई दिल्ली "एक और युद्ध की तैयारी" कर रहा है। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय शांति के हित में युद्ध समाधान नहीं है और भारत को बातचीत का रास्ता अपनाना चाहिए। जरदारी ने अपने संबोधन में कहा कि भारत के नेताओं के बयानों से यह संकेत मिलता है कि वे आगे की सैन्य कार्रवाई पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने भारत को संदेश देते हुए कहा कि दोनों देशों को युद्ध के मैदान के बजाय वार्ता की मेज पर आना चाहिए। विपक्ष के हंगामे के बीच दिए गए इस बयान ने दोनों देशों के बीच जारी तनाव को और सुर्खियों में ला दिया है। राष्ट्रपति जरदारी ने अफगानिस्तान की तालिबान सरकार पर भी आरोप लगाया कि काबुल भारत के लिए 'प्रॉक्सी' की तरह काम कर रहा है। उन्होंने अफगानिस्तान से अपील की कि वह किसी अन्य देश की महत्वाकांक्षाओं का मैदान न बने। इन आरोपों पर भारत के विदेश मंत्रालय ने तीखी प्रतिक्रिया दी। मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि पाकिस्तान स्वयं आतंकी संगठनों को संरक्षण देता रहा है और अपनी आंतरिक विफलताओं के लिए पड़ोसी देशों को दोष देना उसकी पुरानी नीति रही है। भारत ने यह भी कहा कि

कहा, दोनों देशों को युद्ध के मैदान के बजाय वार्ता करनी चाहिए

अफगानिस्तान अपनी संप्रभुता के तहत निर्णय ले रहा है, जिससे पाकिस्तान असहज है। गौरतलब है कि मई 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच चार दिनों तक सीधा सैन्य संघर्ष हुआ था। पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 पर्यटकों की मौत के बाद भारत ने जवाबी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ठिकानों पर सर्जिकल स्ट्राइक की थी। मौजूदा बयानबाजी ने एक बार फिर क्षेत्रीय सुरक्षा और कूटनीतिक संबंधों को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूट्यूब पर रचा नया रिकॉर्ड

तीन करोड़ से अधिक हुए सब्सक्राइबर्स

यूनिक समय, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डिजिटल दुनिया में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उनके आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर 30 मिलियन यानी 3 करोड़ से अधिक सब्सक्राइबर्स हो गए हैं। इस उपलब्धि के साथ वे यूट्यूब पर विश्व स्तर पर सबसे अधिक फॉलो किए जाने वाले नेता बने हुए हैं। बताया जा रहा है कि सब्सक्राइबर्स के मामले में पीएम मोदी अन्य वैश्विक नेताओं से काफी आगे हैं। आंकड़ों के अनुसार, उनके चैनल पर सब्सक्राइबर की संख्या अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से सात गुना से भी ज्यादा है। वहीं भारत में भी कोई अन्य नेता इस संख्या के आसपास नहीं पहुंच पाया है। वैश्विक रैंकिंग की बात करें तो पीएम मोदी के बाद दूसरे स्थान पर ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो हैं, जिनके लगभग 6.6 मिलियन सब्सक्राइबर्स बताए जा रहे हैं। यूट्यूब के अलावा अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर भी पीएम मोदी की मजबूत पकड़ है। फेसबुक पर उनके 54 मिलियन से अधिक, इंस्टाग्राम पर 100 मिलियन से ज्यादा और एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर 106 मिलियन से अधिक फॉलोवर्स हैं। यह उपलब्धि वैश्विक स्तर पर उनकी डिजिटल लोकप्रियता और प्रभाव को दर्शाती है।

भारतीय जनता पार्टी ने राज्यसभा के लिए नौ उम्मीदवारों का किया ऐलान

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली में राज्यसभा चुनाव को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। नामांकन प्रक्रिया के अंतिम चरण से पहले भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने राज्यसभा के लिए नौ उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। इस सूची में बिहार से नितिन नवीन और शिवेश कुमार के नाम शामिल हैं। बीजेपी ने असम से तेराश गोवाला और जेगेन मोहन, छत्तीसगढ़ से लक्ष्मी वर्मा, हरियाणा से संजय भाटिया और पश्चिम बंगाल से राहुल सिन्हा को उम्मीदवार बनाया है। वहीं ओडिशा से मनमोहन सामल और सुजीत कुमार को भी राज्यसभा के लिए नामित किया गया है। निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार महाराष्ट्र, ओडिशा, तेलंगाना, तमिलनाडु, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, असम, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और

16 मार्च को मतदान होगा

बिहार की कुल सीटों पर 16 मार्च को मतदान होगा। मतदान सुबह नौ बजे से शाम चार बजे तक चलेगा और उसी दिन शाम पांच बजे से मतगणना की जाएगी। बिहार से उम्मीदवार बनाए जाने के बाद नितिन नवीन ने होली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि परिवार और कार्यकर्ताओं के साथ त्योहार मनाने का अलग ही आनंद है। उन्होंने कहा कि होली बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है और बिहार विकास के मार्ग पर आगे बढ़े, यही कामना है।

फ्रांस परमाणु हथियार बढ़ाएगा, राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों का बड़ा ऐलान

यूनिक समय, नई दिल्ली। दुनिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच फ्रांस ने अपने परमाणु कार्यक्रम को लेकर बड़ा संकेत दिया है। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने घोषणा की है कि फ्रांस अपने परमाणु हथियारों के बेड़े को मजबूत करेगा और संख्या में वृद्धि करेगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि नए परमाणु हथियारों की सटीक संख्या सार्वजनिक नहीं की जाएगी। मैक्रों ने कहा कि यूरोप की सुरक्षा और रणनीतिक स्वतंत्रता को मजबूत करने के लिए यह कदम आवश्यक है। उन्होंने सहयोगी देशों के साथ परमाणु-सशस्त्र विमानों की अस्थायी तैनाती पर बातचीत शुरू होने की जानकारी दी, हालांकि परमाणु हथियारों के इस्तेमाल पर अंतिम निर्णय फ्रांस के हाथ में ही रहेगा। रिपोर्ट के अनुसार, वर्तमान में फ्रांस के पास 300 से कम परमाणु हथियार हैं।

बैतूल में भीषण सड़क हादसा तीन लोगों की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के बैतूल जिले में मंगलवार तड़के एक दर्दनाक सड़क हादसे में तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह दुर्घटना इटारसी रोड पर सुबह तीन बजे के आसपास हुई, जब तेज रफ्तार कार सड़क किनारे खड़ी एक क्रेन से जा टकराई। कोतवाली थाना प्रभारी देवकरण देहरिया के अनुसार, कार सवार युवक ढाबे से खाना खाकर लौट रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कार की रफ्तार काफी तेज थी। अचानक नियंत्रण बिगड़ने से वाहन सीधे सड़क किनारे खड़ी क्रेन से टकरा गया। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। वाहन के दरवाजे और खिड़कियां तोड़कर अंदर फंसे लोगों को बाहर निकाला गया। घायलों को 108 एंबुलेंस और निजी वाहनों की मदद से जिला अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने चालक ऋतिक सोलंकी (30), वरुण प्रजापति (21) और अभय ठाकुर

कार सवार युवक ढाबे से खाना खाकर लौट रहे थे

(22) को मृत घोषित कर दिया। तीनों बैतूल के निवासी बताए गए हैं। हादसे में देवा पांडे (32) और आकाश पाल (30) घायल हुए हैं, जिनमें से एक को गंभीर हालत में इलाज के लिए नागपुर रेफर किया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ताकि दुर्घटना के सटीक कारणों का पता लगाया जा सके। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार को हादसे की मुख्य वजह माना जा रहा है।

युद्ध और प्राकृतिक आपदा के दोहरे संकट से जूझता पश्चिम एशिया

ईरान में 4.3 तीव्रता का भूकंप जंग के बीच दहशत का माहौल

यूनिक समय, नई दिल्ली। तेहरान, 03 मार्च 2026। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध जैसे हालात के बीच मंगलवार को ईरान की धरती भूकंप के तेज झटकों से कांप उठी। दक्षिणी ईरान के गेराश क्षेत्र में रिक्टर स्केल पर 4.3 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। भूकंप के झटकों से लोगों में अफरातफरी मच गई, हालांकि अब तक किसी बड़े जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार, भूकंप का केंद्र जमीन से करीब 10 किलोमीटर की गहराई में था। झटके महसूस होते ही लोग घरों और इमारतों से बाहर निकल आए। पहले से ही युद्ध के तनाव से जूझ रहे नागरिकों के बीच इस प्राकृतिक आपदा ने भय और अनिश्चितता

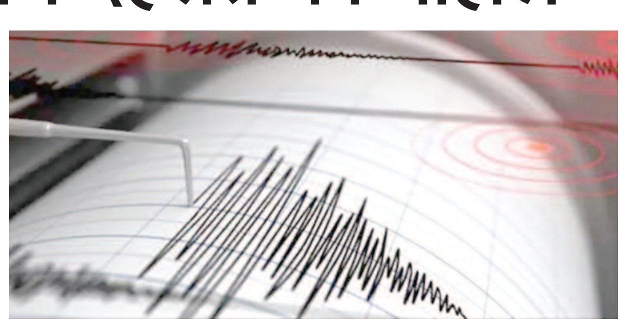

को और बढ़ा दिया है। गौरतलब है कि ईरान इस समय अमेरिका और इजराइल के साथ बढ़ते सैन्य टकराव का सामना कर रहा है। हालिया हमलों और जवाबी कार्रवाइयों के कारण क्षेत्र में तनाव चरम पर है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिए हैं कि ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान लंबा चल सकता है। वहीं, इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी हमलों को ईरान की कथित परमाणु गतिविधियों के खिलाफ आवश्यक कदम बताया है। ईरान और उसके सहयोगी गुटों ने भी जवाबी हमले तेज कर दिए हैं, जिससे पूरे पश्चिम एशिया में अस्थिरता का माहौल है। तेल और गैस आपूर्ति मार्गों पर खतरे के कारण वैश्विक बाजार भी प्रभावित हो सकते हैं। युद्ध और प्राकृतिक आपदा के दोहरे संकट के बीच ईरान की जनता फिलहाल दहशत और अनिश्चितता के दौर से गुजर रही है।

पश्चिम एशिया में संघर्ष जारी

इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 80 उड़ानें रद्द

यूनिक समय, नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष का असर दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर साफ दिखाई दे रहा है। मंगलवार की सुबह एयरस्पेस प्रतिबंधों और बढ़ते तनाव के कारण 80 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द कर दी गईं। इनमें 36 प्रस्थान और 44 आगमन उड़ानें शामिल हैं। दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डायल) ने जानकारी दी कि पश्चिम की ओर जाने वाली कई उड़ानें विलंबित या पुनर्निर्धारित की गई हैं। यात्रियों को हवाई अड्डे के लिए रवाना होने से पहले संबंधित एयरलाइंस से ताजा अपडेट लेने और आवश्यकता पड़ने पर वैकल्पिक मार्गों पर विचार करने की सलाह दी गई है। दुबई से दिल्ली पहुंची एक महिला यात्री ने बताया कि वहां हालात तनावपूर्ण हैं और सरकार को

यात्रियों के लिए ट्रैवल एडवाइजरी जारी

यात्रियों की मदद के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए। लगातार बदलते हालात के बीच कई यात्रियों को अपनी यात्रा योजनाएं बदलनी पड़ी हैं। रिपोर्ट के अनुसार, पिछले तीन दिनों में भारतीय एयरलाइंस ने 1,117 विदेशी उड़ानें रद्द की हैं। रोजाना 1,300 से अधिक उड़ानों की आवाजाही वाले इस व्यस्त एयरपोर्ट पर मौजूदा संकट ने यात्रियों की परेशानियां बढ़ा दी हैं। अधिकारियों ने कहा है कि स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और यात्रियों की सुविधा के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

ठाकुर बांके बिहारी मंदिर में हुआ डोलोत्सव

ठाकुर जी ने दिए महाराजा स्वरूप में दर्शन

मंगलवार को डोलोत्सव में महाराजा स्वरूपी दर्शन प्रदान करते ठाकुर बांके बिहारी महाराज।

मंगलवार की सुबह मंदिर में मौजूद दर्शनार्थी।

यूनिक समय, वृन्दावन। विख्यात ठाकुर बांके बिहारी मंदिर में आज डोलोत्सव का आयोजन हुआ। इस अवसर पर ठाकुर बांकेबिहारी महाराज ने बेशकीमती गुलाबी रंग की जड़ाऊ पोशाक एवं स्वर्ण आभूषण धारण कर महाराजा के रूप में दर्शन प्रदान किए। चंद्रग्रहण के कारण सीमित समय तक हुए प्रभु दर्शनार्थ मंदिर में भक्तों की अच्छी खासी उपस्थिति बनी रही। चंद्रग्रहण के कारण ठाकुर बांके बिहारी के मंदिर में आयोजित डोलोत्सव के दर्शन सुबह 6:15 से आरम्भ होकर 8:30 तक ही हुए।

पर्व पर आराध्य की सेवार्थ आज राजभोग सेवा में सेवायतों ने मनोहर मनोरथ मनाए। मंदिर के सेवा अधिकारी आचार्य राधेश्याम गोस्वामी, आचार्य पुनीत बिहारी गोस्वामी, आचार्य सुनीत बिहारी गोस्वामी, आचार्य श्यामबिहारी गोस्वामी, आचार्य ब्रजेश बिहारी गोस्वामी (कानपुर वाले), आचार्य श्यामाश्याम गोस्वामी, ओम गोस्वामी, विप्रांश बल्लभ गोस्वामी, अवध बिहारी गोस्वामी आदि पूर्ण मनोयोग से सेवा में तल्लीन रहे।

ग्रहण से पहले बांके बिहारी मंदिर में उमड़ी भक्तों की भीड़

ग्रहण उपरांत शाम करीब 8 बजे भगवान के दर्शन प्रारम्भ हुए, जो रात्रि 9:55 पर शयनभोग आरती तक चलते रहे। शाम को भी मंदिर में डोलोत्सव दर्शन हुए।

बीते चौबीस घंटे में सड़क दुर्घटनाओं में तीन की मौत

यूनिक समय, मथुरा। जनपद में बीते चौबीस घंटे के अंतराल में अलग–अलग स्थानों पर हुई सड़क दुर्घटनाओं तीन लोगों की मौत हो गई। नगला बिंदा मांट निवासी युवक प्रेमवीर उर्फ रूपन सिंह कल बाइक से शेरगढ़ से अपनी बहन के गया था। बीती रात वह बाइक से घर के लिए लौट रहा था। उसके साथ करन भी था। मांट नौहझील मार्ग पर गांव हरनौल के समीप रात को किसी अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। दुर्घटना इतनी भंयकर थी कि प्रेमवीर बुरी तरह से घायल हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को एम्बुलेंस से अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में

प्रेमवीर उर्फ रुपन सिंह की मौत हो गई। दुर्घटना के बारे में पुलिस ने युवक के परिवार को सूचना दी। करन का इलाज चल रहा है। दूसरी दुर्घटना थाना मगोर्रा इलाके में हुई। बताया गया कि बीती रात मगोर्रा निवासी सत्येंद्र ई–रिक्शा चलाने के बाद रात को घर के लिए लौट रहा था। मगोर्रा के समीप ई–रिक्शा को किसी वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी।

अलग–अलग स्थानों पर हुईं दुर्घटनाएं

दुर्घटना में सत्येंद्र गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना का पता लगने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने युवक के परिवार के लोगों को दुखद घटना के बारे में जानकारी दी। इसी तरह तीसरी दुर्घटना थाना रिफाइनरी के बाद चौकी इलाके में हुई, दुर्घटना में आशीष निवासी यमुनापार की मौत हो गई। पुलिस ने शव को पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

हुरंगा होली पर कल शाम 5 बजे तक बंद रहेंगी शराब और भांग की दुकानें

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज में होली को लेकर काफी उत्साह दिखाई दे रहा है। होली के दिन जिले में शराब और भांग की सभी दुकानों को शाम पांच बजे तक बंद रखने के आदेश जारी किए गए हैं। यह निर्णय त्योहार के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी प्रकार की अव्यवस्था को रोकने के लिए लिया जाता है। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक शराब के ठेकों पर खरीदारों की भीड़ दिखाई दी है। कई लोगों ने पहले ही मदिरा खरीदकर अपने घरों में रख ली। ठेकों के बाहर काफी लोग खड़े दिखाई दिए हैं। ब्रज क्षेत्र की हुरंगा और लठामार होली देश–विदेश में प्रसिद्ध है। इन आयोजनों में बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों के साथ बाहर से आने वाले श्रद्धालु और पर्यटक भी शामिल होते हैं। एक कहावत है कि कोई कितने ही प्रयास किया जाए लेकिन ऐसा नहीं होता है। नसेड़ियों ने हुड़दंग होली के लिए पीने वाली बोतलों व भांगों का न किया हो।

दो गैंगस्टर गिरफ्तार, एक से देशी तमंचा भी मिला

यूनिक समय, मथुरा। सदर बाजार पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट में वांछित दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने एक अभियुक्त से देशी तमंचा कारातूस भी बरामद किए है। गैंगस्टर एक्ट में वांछित चल रहे अभियुक्त विशाल निवासी मौहल्ला चुरियाला थाना कोतवाली जो स्थाई रूप से मकान नंबर 52गोकुलपुरम कॉलोनी थाना सदरबाजार व कृष्ण मुरारी गांव भदाल थाना जैंत को पुलिस ने डिफेंस कॉलोनी वाले रास्ते पर नीमवाड़ी से जमुना की ओर जाने वाले रास्ते से गिरफ्तार किया है। कृष्णमुरारी उर्फ कृष्णा से पुलिस को एक देशी तमंचा व कारतूस भी मिले हैं।

एक युवक की करतूत से गांव में तनाव, आमने—सामने आए दो पक्ष

बिजली के पोल पर लगाया विवादित बोर्ड पुलिस ने उतरवाया

यूनिक समय, फरह (मथुरा)। कस्बा के निकटवर्ती गांव दौलतपुर में एक अनुसूचित जाति के युवक की करतूत से तनाव फैल गया। ठाकुर समाज के एक व्यक्ति की दुकान के आगे इलेक्ट्रिक बोर्ड लगाने से दो पक्ष आमने–सामने आ गए। जानकारी पर पुलिस ने खंभे पर लगाए विवादित बोर्ड को उतरवा दिया। अधिकारियों ने गांव में शांति बनाए रखने के लिए ग्रामीणों को कसम खिलाई। गांव दौलतपुर के ग्रामीणों ने बताया कि सोमवार रात करीब सात बजे अनुसूचित जाति के युवक सनी ने अपने समाज के युवकों से एकत्र किए गए धन से बनवाए गए इलेक्ट्रिक बोर्ड को ठाकुर समाज के

गांव दौलतपुर में एसडीएम और सीओ ने ग्रामीणों को शांति बनाए रखने की खिलाई कसम

एक व्यक्ति की दुकान के आगे लगे बिजली के पोल पर लगा दिया। इलेक्ट्रिक बोर्ड पर डॉ. आंबेडकर और गौतम बुद्ध का चित्र बना हुआ था, यह देखकर दुकानदार ने विरोध किया तो अनुसूचित जाति के युवक एकत्रित हो गए। जानकारी मिलते ही ठाकुर समाज के भी काफी संख्या में युवक मौके पर आ गए। इलेक्ट्रिक बोर्ड को लेकर दो पक्षों में तनाव की खबर मिलते ही प्रभारी निरीक्षक छोटेलाल भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और बिजली के पोल पर लगे बोर्ड को उतरवा कर दीनदयाल धाम पुलिस चौकी में रखवा दिया। युवकों को भी त्योहार पर शांति भंग नहीं करने की चेतावनी थी। इस दौरान बोर्ड हटाने पर एक पक्ष की पुलिस से नोंकझोंक भी हुई, लेकिन पुलिस के समझाने पर सब अपने–अपने घरों को चले गए। इलेक्ट्रिक बोर्ड विवाद के दूसरे दिन मंगलवार को एसडीएम सदर अभिनव जे जैन और सीओ अनिल कपरवान गांव पहुंचे। शांति समिति की बैठक में दोनों पक्षों को बुलाया। एसडीएम सदर ने कहा कि डॉ. ऐसे कृत्य से डॉ. आंबेडकर के सम्मान को असम्मान में नहीं बदलें, गांव की शांति को मत खराब कीजिए। कोई भी बोर्ड प्रशासन की अनुमति के बिना नहीं लगाया जा सकता है। सीओ अनिल कपरवान कपूर ने कहा कि मुकदमा लिखने से भविष्य खराब होते हैं।

ऐसे में ऐसा कोई काम नहीं करना चाहिए, जिससे भविष्य खराब हो। इस दौरान प्रभारी निरीक्षक छोटेलाल के अलावा काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। शांति समिति की बैठक के दौरान अधिकारियों ने ग्रामीणों को गांव में शांति व्यवस्था बनाए रखने की कसम भी खिलाई। ग्रामीणों ने कसम लेते हुए भविष्य में ऐसे कृत्य से बचने का आश्वासन भी दिया।

पंचम पुण्यतिथि

आपके आदर्श हमारे जीवन का उज्ज्वल पथ प्रदर्शित करते रहेंगे।
आपकी पंचम पुण्यतिथि पर मा. श्रीमती कमलेश भास्कर जी (पत्नी), डॉ. प्रवीण कुमार भास्कर (एडवोकेट) वरिष्ठ उपाध्यक्ष/DCC, प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष, उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी, (RGPS) लखनऊ, सदस्य (PCC U.P.) अजय कुमार भास्कर (एडवोकेट), प्रवल भास्कर (पुत्रगण),डॉ अनीता भास्कर जी -डॉ. गुमान सिंह जी (पुत्री-दामाद), ध्रुव, आयुष, सिद्धार्थ, नव्यांश (पौत्र)भास्कर परिवार एवं समस्त सहयोगीगणों की तरफ से कोटि-कोटि नमन करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं।
मा॰ डॉ. एम॰ आर॰ भास्कर जी
पूर्व अध्यक्ष- संयुक्त मोर्चा मथुरा, रिफाइनरी, मथुरा, संस्थापक सदस्य-बामसेफ, डी.एस.4, बी.एस.पी.
सौ. 85 बल्देव विधान सभा, मथुरा | मो. 9457028400, 9456897800

चित्रकूट पर गिलट आभूषण व्यवसायी समिति का रंगारंग होली मिलन समारोह

होली मिलन समारोह में पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। गिलट आभूषण व्यवसायी समिति के तत्वावधान में चित्रकूट मसानी पर भव्य होली मिलन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ श्री गिर्राज महाराज की छवि पर पूर्व मंत्री रविकांत गर्ग एवं समिति अध्यक्ष दिनेश अग्रवाल (सादाबाद) द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। समारोह में समिति सदस्य होली के उल्लास में रंगे नजर आए।

श्री कृष्णा संकीर्तन मंडल ने "होली रे रसिया" जैसे पारंपरिक भजनों की मनमोहक प्रस्तुति दी, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय और रंगमय हो उठा। उपस्थित जन झूमते–नाचते नजर आए तथा अंत में फूलों की होली ने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम में मुख्य संयोजक प्रेमचंद महावर, महामंत्री शंकर अग्रवाल, सह मंत्री सुरेंद्र चौधरी, कोषाध्यक्ष अनिल गर्ग, उपाध्यक्ष गुड्डू अग्रवाल, राहुल नक्षत्र, कार्यकारिणी सदस्य नीरज अग्रवाल, सहसंयोजक बृजेश अग्रवाल, राहुल नवरत्न, राजीव बडड़ू, होली गेट मंडल भाजपा के अध्यक्ष लोकेश तायल, राजकुमार अग्रवाल, शिवचरन अग्रवाल, मृदुल अग्रवाल, विष्णु अग्रवाल, ओमप्रकाश गोला, पवन सोनी, विशन सूतीया, कान्हा अग्रवाल, नीरज बंसल, मोहित अग्रवाल आदि सदस्यगण मौजूद थे

वार्षिक पंचांग संवत 2083 एवं होली मिलन कार्ड का विमोचन

वार्षिक पंचांग संवत 2083 एवं होली मिलन के कार्ड का विमोचन करते पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। सर्वोदयी ब्राह्मण विकास संस्थान द्वारा संस्थान के कैंप कार्यालय, जगन्नाथ पुरी में वार्षिक पंचांग संवत 2083 एवं होली मिलन समारोह के कार्ड का विधिवत विमोचन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान अध्यक्ष पं. सोहनलाल शर्मा एडवोकेट ने की। इस अवसर पर भगवान भगवान परशुराम के चित्रपट पर माल्यार्पण कर शुभारंभ किया गया। अध्यक्ष ने बताया कि होली मिलन समारोह 8 मार्च रविवार सायं 4:30 बजे चित्रकूट मसानी पर आयोजित होगा, जिसमें 51 वृद्ध विप्रजनों का सम्मान किया जाएगा। रंगीन पृष्ठों से सुसज्जित पंचांग में तिथि, वार, नक्षत्र, राहुकाल, राशिफल एवं त्योहारों का विस्तृत विवरण है। पंचांग का निःशुल्क वितरण किया जाएगा। संचालन नारायण प्रसाद शर्मा ने किया। बैठक में प्रमुख रूप संजय हरियाणा ललित स्वामी, मुरलीधर शर्मा, गोविंद सजावट वाले, कन्हैया लाल शर्मा, पी पी शर्मा, मुकेट मनी शर्मा, दिलीप पांडे, महिंद्र दत्त आचार्य पंकज शर्मा, पार्षद नीरज वशिष्ठ, मुकेश शर्मा, सी ए भगवान साहू कार्यक्रम अध्यक्ष पप्पू गौतम, दिवाकर आचार्य आदि उपस्थित रहे।

पढ़िए वो
जो पढ़ना चाहिए
यूनिक समय
www.uniquesamay.com

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित। कार्यालय :- यूनिक बिल्डिंग, 289–290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा। संपादक–पवन गौतम। फोन नंबर–0565–2420150, मो। 9837155888 E-mail : uniquesamaynews@gmail.com website : uniquesamay.com सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा। RNI-UPHIN/2023/85053